मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शनिवार, 9 मई 2026
संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 8 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 234, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ लिव-इन रिलेशनशिप: स्वतंत्रता का भ्रम या संबंधों का संकट

संजय दत्त स्टारर आखरी सवाल का ट्रेलर रिलीज, दमदार डायलॉग्स और बेबाक अंदाज ◀◀ 6

सियार के हमले से दो माह की बच्ची की मौत, एक घायल

पाकुड़: जिले के सदर प्रखंड के लखीनारायणपुर गांव में सियारों का झुंड एक मकान में घुस गया और ढाई माह की मासूम बच्ची को खा गया। जबकि दूसरी चार वर्षीय बच्ची को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद लखीनारायणपुर गांव में डर का माहौल देखा जा रहा है। मामले की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव के कुछ अंश को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना को लेकर मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि बीते रात लखीनारायणपुर गांव के समीरुल शेख के मकान में सियार का एक झुंड घुस गया। इसके बाद ढाई माह की आफीफा खातून को उठाकर ले गया और उसका पूरा शरीर खा गया। वहीं, चार साल की जासमीन खातून को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बताया जा रहा है कि जिस वक्त जासमीन पर हमला हुआ, उसके रोने की आवाज आयी। जैसे ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, सियार का झुंड भाग गया। परिजनों ने घायल बच्ची को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक बच्ची के शरीर का कुछ अंश पड़ा था, जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी वरीय अधिकारी के साथ-साथ वन विभाग को भी दे दी गयी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके के खेतों में काफी समय से सियार घूमते देखे जा रहे हैं। इसके बाद रात में गांव में घुस आते हैं। अगर सियारों के इन झुंडों को गांव से नहीं भगाया गया, तो अन्य ग्रामीणों और बच्चों पर खतरा बना रहेगा।

वन विभाग कर्मी की करंट लगने से मौत, परिजनों ने अधिकारियों पर लगाया आरोप

लातेहार: पलामू टाइगर रिजर्व के गारू रेंज में ट्रैकर गार्ड के रूप में कार्यरत लल्लू उरांव की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पलामू टाइगर रिजर्व के फॉरेस्ट गार्ड के कहने पर लल्लू उरांव बिजली बनाने के लिए पेड़ पर चढ़ा था। जहां करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों का मोबाइल भी बंद है, जिससे परिजनों में भारी आक्रोश है। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। मृतक के भाई निलेम उरांव ने बताया कि गारू स्थित वन विभाग के कार्यालय के पास बीती रात बिजली का तार गिर गया था। वन विभाग के अधिकारियों ने इसकी सूचना बिजली विभाग को देने के बजाय उनके भाई को तार ठीक करने के लिए भेज दिया। इसी दौरान करंट लगने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद विभाग के द्वारा परिजनों को सूचना दिए बगैर सीधे उसे लातेहार अस्पताल में पहुंचाकर छोड़ दिया गया।

उन्होंने बताया कि आज सुबह जब उन्हें घटना की जानकारी मिली तो वह अस्पताल आए। यहां सिर्फ एक अन्य ट्रैकर गार्ड उपस्थित था। विभाग के कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के कारण उनके भाई की मौत हुई है। मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला व्यक्ति था।

उन्होंने कहा कि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तथा 60 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। इधर, वन विभाग के ट्रैकर गार्ड अजय कुमार ने बताया कि रात में बिजली का तार गिर गया था। तार को दुरुस्त करने के लिए लल्लू को पेड़ पर चढ़ाया गया था। लेकिन करंट लगने से उसकी मौत हो गई। इधर, घटना के बाद संबंधित फॉरेस्ट अधिकारियों का मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। बताया जाता है कि संबंधित अधिकारी इस संबंध में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

स्कूल में मिला नाबालिग लड़की का शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

गले पर पाए गए चोट के निशान

जमशेदपुर: परसुडीह क्षेत्र स्थित एक स्कूल परिसर में नाबालिग का शव बरामद हुआ है। इसकी जानकारी जैसे ही लोगों को मिली क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामले में परसुडीह थाना प्रभारी ने बताया कि मृत नाबालिग बच्ची के गले पर निशान पाए गए हैं। मृतिका की पहचान के लिए आस पास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक स्थानीय लोगों ने जब स्कूल परिसर के अंदर एक किशोरी का शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना थाना में दी। पुलिस के पहुंचने से घटना स्थल के पास लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे परसुडीह थाना प्रभारी ने आस पास के क्षेत्रों का निरिक्षण कर जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाबालिग के साथ पहले दुष्कर्म किया गया और उसके बाद उसकी हत्या कर शव को स्कूल परिसर में फेंक दिया गया।

पुलिस ने अभी तक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं की है। परसुडीह थाना प्रभारी ने बताया कि मृतिका की पहचान नहीं हो पाई है। आस पास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला जा रहा है।

भारत की ऐतिहासिक छलांग

ओडिशा तट से लंबी दूरी की परमाणु-सक्षम मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली : भारत ने सामरिक रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार शाम ओडिशा तट से परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणी की मिसाइल का परीक्षण किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह परीक्षण अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता, लेकिन इसकी क्षमता आईसीबीएम श्रेणी की मानी जा रही है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक इस परीक्षण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

आईसीबीएम तकनीक वाले चुनिंदा देशों की सूची में भारत: अब तक केवल अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास ही 12,000 किमी से अधिक मारक क्षमता वाली आईसीबीएम तकनीक मौजूद है। वहीं फ्रांस और ब्रिटेन के पास परमाणु-सक्षम पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) तकनीक है। यदि भारत पूर्ण आईसीबीएम क्षमता हासिल कर लेता है, तो उसकी रणनीतिक पहुंच वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो जाएगी।

अग्नि-6 को लेकर पहले ही मिल चुके थे संकेत: डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने हाल ही में एक रक्षा सम्मेलन में कहा था कि अग्नि-6 परियोजना के लिए सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और सरकार की मंजूरी मिलते ही कार्यक्रम आगे बढ़ाया जाएगा। इसी बीच भाजपा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अग्नि-6 के संभावित लॉन्च के संकेत दिए थे। पार्टी ने कहा था कि 10,000 किमी से अधिक मारक क्षमता और एमआईआरवी तकनीक से लैस अग्नि-6 भारत को दुनिया की शक्तिशाली मिसाइल संपन्न देशों की श्रेणी में खड़ा करेगी। भाजपा द्वारा जारी वीडियो में दावा किया गया था कि भारत अब उन चुनिंदा देशों की लीग में शामिल होने जा रहा है जिनके पास अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता है।

परमाणु प्रतिरोधक क्षमता होगी और मजबूत: विशेषज्ञों के अनुसार, आईसीबीएम तकनीक किसी भी देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। यह तकनीक दुश्मन को पहले परमाणु हमला करने से रोकने में अहम भूमिका निभाती है। साथ ही यह उन्नत रॉकेट प्रोपल्शन, गाइडेंस सिस्टम और री-एंट्री तकनीक में महारत का भी प्रतीक मानी जाती है।

बंगाल में भाजपा अध्याय शुरू, शुभेंदु अधिकारी ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

शुभेंदु अधिकारी संग 5 मंत्रियों ने भी ली शपथ, बंगाल की जनता को पीएम मोदी का दंडवत प्रणाम

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को नया अध्याय लिखा गया। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में किया गया, जिसमें खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई दिग्गत नेता भी इस शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बने।

शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में पूर्व सीएम ममता बनर्जी को हराया है और प्रोटोकॉल के हिसाब से ममता बनर्जी को भी समारोह का न्योता भेजा गया था, लेकिन वह नहीं आईं। इससे पहले शुक्रवार को अमित शाह कोलकाता पहुंचे थे, जहां शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया। अमित शाह ने खुद उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद शुभेंदु ने कोलकाता में राज्यपाल आरएन रवि से मुलाकात की और विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपकर नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। बता दें कि बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की 207 सीटों पर प्रचंड जीत दर्ज की थी, वहीं टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमटकर रह गई और उसके 15 सालों के शासन का खात्मा हो गया। बताया जा रहा है कि बंगाल में दो डिप्टी सीएम भी बनाए जाएंगे। इसके लिए अग्निमित्रा पॉल और निसिथ प्रमाणिक का नाम लिया जा रहा है। हालांकि कुछ सूत्र डिप्टी सीएम पद के लिए रूपा गांगुली का भी नाम ले रहे थे।

बिहार में बिजली-पेड़ गिरने से 9 लोगों की मौत

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना: उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं मध्य भारत में फिर से तेज गर्मी पड़ने लगी है।

बिहार के पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौत राजधानी पटना में हुईं। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए। उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं जैसलमेर और फलोदी में तापमान 44 डिग्री रहा। मध्य प्रदेश के 13 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। शुक्रवार को रतलाम में पारा 43.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इधर, गुजरात के अहमदाबाद में तापमान 43.1 डिग्री और महाराष्ट्र के वाशिम में 42.8 डिग्री दर्ज किया गया।

अमेरिका-ईरान अगले हफ्ते फिर इस्लामाबाद में कर सकते हैं बातचीत

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी: अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है। साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है।

एक्टर विजय के सीएम बनने पर सस्पेंस बरकरार, दूसरी बार शपथ कैंसिल, लग सकता है राष्ट्रपति शासन

टीवीके को 116 विधायकों का समर्थन, 118 पर बहुमत, वीसीके आज अपना फैसला बताएगी

चेन्नई : तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर जारी सियासी घमासान अब और गहरा गया है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की अटकलें तेज हो गई हैं, क्योंकि सरकार गठन को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। आरोप-प्रत्यारोप, विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त, फर्जी समर्थन पत्र और लापता विधायकों के दावों ने राज्य की राजनीति को बेहद पेचीदा बना दिया है। तमिलनाडु की मौजूदा सरकार का कार्यकाल 10 मई को समाप्त हो रहा है, लेकिन अब तक यह तय नहीं हो पाया है कि अगली सरकार कौन बनाएगा। इस बीच राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने साफ कर दिया है कि 234 सदस्यीय विधानसभा में कम से कम 118 विधायकों का समर्थन साबित किए बिना किसी भी पार्टी को सरकार बनाने का न्योता नहीं दिया जाएगा।

-23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। हालांकि, बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े से वह अभी भी पीछे है। वहीं, डीएमके गठबंधन को 73 सीटें मिलीं, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन ने 53 सीटों पर जीत दर्ज की। बहुमत जुटाने के लिए टीवीके ने कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई (एम) से बातचीत शुरू की। कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बाद टीवीके का आंकड़ा 113 तक पहुंच गया। बाद में सीपीआई और सीपीआई (एम) ने भी बिना शर्त बाहरी समर्थन देने का ऐलान किया, जिससे संख्या बढ़कर 117 हो गई।

लेकिन मामला यहां भी उलझ गया। विजय ने दो सीटों से चुनाव जीता है और उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ सकती है। ऐसे में प्रभावी संख्या फिर कम हो सकती है और टीवीके बहुमत से पीछे रह सकती है। वीसीके के समर्थन की उम्मीद जरूर जताई जा रही है, लेकिन अंतिम आंकड़ों को लेकर अब भी संशय बना हुआ है।

शुक्रवार देर रात यह राजनीतिक संकट और गहरा गया, जब एएमएमके महासचिव टीटीवी दिनाकरन अचानक राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। उन्होंने टीवीके नेताओं पर बड़े स्तर पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाया। विवाद एएमएमके-समर्थित विधायक एस. कामराज को लेकर खड़ा हुआ, जिन्हें कथित तौर पर टीवीके समर्थक बताया गया था।

-दिनाकरन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल को व्हाट्सऐप के जरिए फर्जी समर्थन पत्र भेजे गए और कामराज लापता हैं। हालांकि, कुछ ही देर बाद कामराज खुद दिनाकरन के साथ मीडिया के सामने आए और कहा कि उन्होंने आधिकारिक रूप से टीवीके को समर्थन नहीं दिया है। उन्होंने अपने हस्ताक्षर के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। इसके बाद दिनाकरन ने कथित फजीर्वाड़े के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। दूसरी ओर, टीवीके ने इन आरोपों को खारिज करते हुए एक वीडियो जारी किया, जिसमें कामराज कथित तौर पर स्वेच्छा से समर्थन पत्र पर हस्ताक्षर करते दिखाई दे रहे हैं। टीवीके ने दिनाकरन पर विजय की सरकार बनने से रोकने के लिए गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है।

-राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि यह गतिरोध जारी रहता है और हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप बढ़ते हैं, तो राज्यपाल केंद्र सरकार को संवैधानिक संकट की रिपोर्ट भेज सकते हैं।

डिवाइडर से टकराकर पेड़ से जा टकराई कार, एक की मौत, पांच घायल

लोहरदगा: शहर में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। हादसा लोहरदगा एसपी कोठी के समीप उस समय हुआ, जब रघुटोली की ओर से शहर की तरफ आ रही एक सफारी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बैरिकेडिंग से टकराते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार जोरदार टक्कर के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायलों का इलाज जारी है। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। बाद में क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

कंस्ट्रक्शन बाजार में सुस्ती, निर्यात में बढ़त

रांची : झारखंड समेत देशभर में कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की धीमी रफ्तार का असर कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट बाजार पर देखने को मिला है। इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईसीईएमए) के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू मांग में गिरावट दर्ज की गई, जबकि निर्यात में करीब 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं जेसीबी इंडिया के सीईओ दीपक शेट्टी ने कहा कि सरकार के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश से आने वाले समय में बाजार में तेजी लौटने की उम्मीद है।

महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत

चतरा : सदर थाना क्षेत्र के सीमा गांव निवासी कोयल देवी (22) पति चमन भुईयां की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी।मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है।बताया गया कि शुक्रवार की अहले सुबह चमन भुईयां के चाचा ने फोन पर मृतका के चाचा को सूचना दी कि कोयल देवी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग सीमा गांव पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी।सूचना पाकर पुलिस पदाधिकारी दल बल के साथ पहुंचे और मामले की जानकारी ली।सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतका की मां तुड़ाग गांव निवासी कचंती देवी ने बताया कि 2025 में पुत्री की शादी चमन भुईयां के साथ हुई थी। कुछ माह तक ठीक ठाक चला,इसके बाद दहेज में बाइक मांग करने लगे।नहीं देने पर पुत्री के साथ मारपीट व प्रताड़ित किया जा रहा था। कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि दहेज को लेकर ही ससुराल वालों ने पुत्री की हत्या कर दी है और उसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है।महिला ने पुलिस से मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।घटना से परिजनों का रो रोकर बूरा हाल है।इस संबंध में थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि अब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा कमात

चतरा : सदर प्रखंड के कमात गांव में शुक्रवार को भक्ति, आस्था और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात दिवसीय शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। महायज्ञ की शुरूआत विशाल कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु व ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। इस दौरान पूरे गांव में हर-हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली, जो मरमदीरी स्कूल मैदान होते हुए चुआड़ी नदी पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरा और पुनः यज्ञशाला पहुंचे। इसके बाद अयोध्या के प्रमोद वन मारुति सदन के आचार्य पंडित शिव कुमार शास्त्री एवं उनकी विद्वान टीम ने विधि-विधान से कलश स्थापना कराई। महायज्ञ को लेकर गांव के युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि सात दिनों तक रुद्र महायज्ञ के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, भजन-कीर्तन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए मेले का भी आयोजन किया गया है। महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर पहुंचे सांसद काली चरण सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत बनाते हैं। वहीं विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को जीवंत बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यज्ञ समिति के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सूर्यकांत कमल ने कहा कि महायज्ञ को सफल बनाने में गांव के बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर गांव में कई दिनों से तैयारी चल रही थी और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा दांगी, पंचायत समिति सदस्य प्रमोद दांगी, यज्ञ समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सचिव पारसनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, भरत सिंह, प्रभुनाथ सिंह, हरेश सिंह, रमेश सिंह, संतोस सिंह, अरविंद सिंह, प्रदीप सिंह, प्रशांत, आर्यन, राहुल, रोहित, टुनटुन, अनूप, रुपेश, गौतम, मनोहर साव व भीम साव समेत सैंकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

बाइक-स्कूटी चोरी गिरोह के चारों आरोपी जेल भेजे गए

जमशेदपुर : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में बाइक और स्कूटी चोरी करने वाले गिरोह के चारों आरोपियों को पुलिस ने पूछताछ के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड निवासी रंजीत धीवर, शेखर प्रमाणिक, संतोष भुइंया और राजा खान उर्फ अयूब अंसारी शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी आईपीएल मैचों में ऑनलाइन सट्टा और जुआ खेलने के लिए शहर के अलग-अलग इलाकों से दोपहिया वाहनों की चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों को 10 से 15 हजार रुपये में बेच दिया जाता था, जबकि कुछ वाहनों को बंधक रखकर पैसे जुटाए जाते थे।

गिरोह चोरी की स्कूटियों को सुनसान स्थानों पर ले जाकर खोल देता था और उनके पार्ट्स अलग-अलग बेच देता था। सिदगोड़ा थाना पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर बारीडीह स्कूल के पीछे स्थित एक खाली मकान में छापेमारी कर चोरी की स्कूटियों के खुले पार्ट्स, एक बाइक और एक स्कूटी बरामद की थी।

सांसद कालीचरण सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

सड़क व विद्युत आपूर्ति व्यवस्थित करने की मांग की

संवाददाता

चतरा : जिले के विकास से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने शुक्रवार को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय कांके में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान सांसद ने विशेष रूप से लावालौंग क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने और सड़क निर्माण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। सांसद ने कहा कि लावालौंग और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति की स्थिति लंबे समय से चुनौती बनी हुई है। इससे आम लोगों के साथ-साथ किसानों और छोटे व्यवसायियों को भी परेशानी हो रही है। उन्होंने क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इसके अलावा क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण और मरम्मत की जरूरत पर भी चर्चा की गई। सांसद ने कहा कि सड़क नेटवर्क मजबूत होने से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी और लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। मुलाकात के दौरान सांसद ने चतरा जिला पुलिस लाइन के समीप मेडिकल कॉलेज की स्थापना का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। साथ ही जिले के लोगों को इलाज के लिए बाहर जाने की मजबूरी भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने सांसद की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया और संबंधित विभागों को आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया। इस मुलाकात को जिले के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हाइवा की चपेट में आने से छात्र की मौत

संवाददाता

ओरमांझी : रांची-रामगढ़ उच्च पथ में ग्राम ओरमांझी दुर्गा महादेव मंदिर के समीप शुक्रवार को दोपहर 12 बजे स्कूटी जेएच 01 डी डब्लू 1104 पर सवार सीमा देवी व पुत्र शशांक कुमार वर्मा अज्ञात हाइवा की चपेट में आ गये। हादसे में चार वर्षीय शशांक कुमार वर्मा की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। माता सीमा देवी घायल हो गयी। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने रोड जाम कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने ग्रामीणों को समझा कर रोड में आवागमन सामान्य किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ओरमांझी देवी मंडप गोसाई मोहल्ला निवासी अमित कुमार वर्मा की पत्नी सीमा देवी अन्य दिनों की तरह माउंट कार्मेल स्कूल से छुट्टी होने पर पुत्र शशांक कुमार वर्मा को स्कूटी से लेकर घर जा रही थी। घर से कुछ ही दूरी पर अज्ञात हाइवा ने उन्हें पीछे से धक्का मार दिया। स्कूटी असंतुलित होकर रोड पर गिर गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

सीओ को ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन :ग्रामीणों ने सीओ उज्ज्वल सोरेन से लिखित रूप में एक मांग पत्र सौंपकर थाना चौक व कलकत्ता पब्लिक स्कूल के पास स्पीड ब्रेकर लगाने, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के पास बेरीकेटिंग लगाने, सर्विस रोड को अतिक्रमणमुक्त कराने व एनएच-20 के प्रत्येक एक किलोमीटर की दूरी पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार शशांक कुमार वर्मा माउंट कार्मेल स्कूल में नर्सरी क्लास में पढ़ता था।

जनता दरबार में डीसी ने सुनी समस्याएं

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए।इस अवसर पर उपायुक्त ने मौके पर ही जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी रितेश कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त सभी आवेदनों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए उन्हें संबंधित विभागों को अविलंब अग्रसारित किया जाए तथा प्रत्येक मामले के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन हेतु नियमित अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) किया जाए, ताकि आमजनों की शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके।उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जनता दरबार में भूमि विवाद, पेयजल, आवास, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग, एवं अन्य योजनाओं से संबंधित मामले प्राप्त हुए, जिन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जहां आमजन अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकते हैं।

जेम्को में पिटाई का बदला लेने को हुई फायरिंग, दो गिरफ्तार

जमशेदपुर : टेल्को थाना क्षेत्र के जेम्को में शुक्रवार देर रात हुई फायरिंग की घटना के पीछे पुरानी रंजिश और पिटाई का बदला सामने आया है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी सोनू झा और उसके साथी पोंचू को गिरफ्तार कर लिया है। फायरिंग में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। दोनों आरोपियों से टेल्को थाना में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, कुछ दिनों पहले जेम्को निवासी पोंचू की संदीप और उसके साथियों ने पिटाई कर दी थी। घटना के बाद दोनों पक्षों में तनाव चल रहा था। पोंचू और उसके साथियों ने उस समय मामला दर्ज नहीं कराया था, लेकिन भीतर ही भीतर बदला लेने की योजना बना रहे थे। बताया गया कि शुक्रवार रात जेम्को में राकेश सिंह के घर पार्टी आयोजित की गई थी। पार्टी में सोनू झा, पोंचू और उनके अन्य साथी शामिल हुए थे। वहां सभी ने शराब पी। देर रात शराब के नशे में सोनू झा, पोंचू और दो अन्य युवक कार से संदीप के घर पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उन्होंने घर के बाहर फायरिंग कर दी। गोली चलने की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग घरों से बाहर निकल आए, जबकि आरोपी मौके से कार लेकर हाईवे की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही टेल्को थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

उपायुक्त ने अतिरिक्त प्रभारों में किया कई महत्वपूर्ण बदलाव

गोपनीय से मनु की छुट्टी, शिशिर बने नए प्रभारी

संवाददाता

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद ने प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं कार्यहित को देखते हुए अतिरिक्त प्रभारों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। वर्षों से उपायुक्त कार्यालय के गोपनीय शाखा में अतिरिक्त प्रभार में कार्यरत जिला नियोजन पदाधिकारी मनु कुमार की छुट्टी कर दी गई है। उनके स्थान पर जिला योजना पदाधिकारी शिशिर कुमार पंडित को नया प्रभारी पदाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम को जिला कल्याण पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार से

मुक्त करते हुए शिशिर पंडित को प्रभार दिया गया है। जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद यादव को स्थापना शाखा के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उनके स्थान पर कार्यपालक दंडाधिकारी अनुरंजन झा को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सामान्य शाखा से अनुरंजन झा को हटाकर कार्यपालक दंडाधिकारी विनय कुमार को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

नाबालिग को भगाने व गहने चोरी मामले में दो हिरासत में

जमशेदपुर : बिरसानगर थाना क्षेत्र की नाबालिग युवती को घर से भगाने और गहने चोरी कराने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों से बिरसानगर थाना में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि युवती को घर छोड़ने के लिए किसने उकसाया और चोरी किए गए गहने कहां रखे गए हैं।बताया जाता है कि बिरसानगर की रहने वाली एक युवती 23 अप्रैल से 8 मई के बीच घर से अचानक गायब हो गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।

मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र हुए सम्मानित

संवाददाता

चतरा : झारखंड शिक्षा परियोजना अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के तत्वावधान में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त रवि आनंद द्वारा जिला एवं प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं निरंतर प्रयास का परिणाम होती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर आगे बढ़ने का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही अभिभावकों एवं शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि

माध्यमिक परीक्षा 2026 में चतरा जिले से कुल 17,577 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए थे, जिनमें से 16,031 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की। जिले का कुल सफलता प्रतिशत 91.20 प्रतिशत रहा। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में कला संकाय के 8,787 परीक्षार्थियों में से 8,420, वाणिज्य संकाय के 138 में से 134 तथा विज्ञान संकाय के 2,985 में से 2,454 छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए। इंटरमीडिएट कला संकाय का सफलता प्रतिशत 95.82 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय का 97 प्रतिशत तथा विज्ञान संकाय का 82.2 प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट कला संकाय में जेबीवीबी। मयूरहंड की वर्षा कुमारी ने 450 अंक (90 प्रतिशत) प्राप्त कर जिला टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। विज्ञान संकाय में एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, सिमरिया की आकांक्षा कुमारी ने 481 अंक (96.2 प्रतिशत) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं वाणिज्य संकाय में केजीबीवी इटखोरी की आकांक्षा कुमारी ने 436 अंक (87.2 प्रतिशत) प्राप्त कर जिला टॉपर का स्थान हासिल किया।इस अवसर पर उपविकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जिला जनसंर्क पदाधिकारी शकील अहमद, झारखंड शिक्षा परियोजना, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, सफल छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

पानी-बिजली संकट पर भाजपा का प्रदर्शन

चतराः जिले में लगातार गहराते पानी और बिजली संकट को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी चतरा जिला इकाई ने जिला मुख्यालय में जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव भोगता एवं सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त चतरा को ज्ञापन सौंपकर जिले में बिजली और पेयजल व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की।प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि हेमंत सरकार की विफल नीतियों के कारण आज झारखंड की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान है। नेताओं ने आरोप लगाया कि गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है, जबकि शहरों में घंटों बिजली कटौती से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास ने कहा कि राज्य की जनता आज त्राहिमाम कर रही है, लेकिन सरकार केवल विज्ञापनों में विकास दिखाने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव सूखे नल और शहर-शहर अंधेरे में डूबे घर सरकार की नाकामी की तस्वीर पेश कर रहे हैं। जनता ने सरकार को विकास और बेहतर सुविधाओं के लिए चुना था, लेकिन लोगों को बदहाली और अव्यवस्था मिली है।उन्होंने कहा कि जल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की आवश्यकता है। भाजपा जनता के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक मजबूती से उठाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष मिथिलेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष रंजीत गुप्ता एवं देवंती देवी के नेतृत्व में टंडवा क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में बड़ा घोटाला

11,000 फर्जी नामों से 72 करोड़ के नुकसान की आशंका

जांच रिपोर्ट 5 महीने से लंबित, पीएमओ से उच्चस्तरीय जांच की मांग

चतरा : जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। पोर्टल पर 11,000 फर्जी किसानों के नाम दर्ज कर सरकारी राशि हड़पने की कोशिश का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंच गया है। सिमरिया कला निवासी शकील अहमद ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषी कंप्यूटर ऑपरेटरों, कर्मचारियों व अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कैसे हुआ खुलासाः शकील अहमद के अनुसार सितंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में मीडिया में प्रकाशित खबर से घोटाले की जानकारी मिली। 22 सितंबर 2025 के अंक में प्रकाशित खबर के मुताबिक चतरा, लावालौंग, गिधौर, सिमरिया और कुंदा अंचल कार्यालयों के कंप्यूटर ऑपरेटरों ने पीएम किसान पोर्टल पर 11,000 किसानों की फर्जी प्रविष्टियां कीं। आरोप है कि बिना दस्तावेज अपलोड किए ही किसानों के नाम दर्ज कर दिए गए। बाद में संबंधित दस्तावेज पोर्टल से हटा दिए गए।

72 करोड़ के नुकसान का अनुमान : शिकायत में कहा गया है कि यदि 12,000 फर्जी किसानों को 2000 रुपये की तीन किस्तें जारी हो जातीं तो एक किस्त में 24 करोड़ और कुल 72 करोड़ रुपये का सरकारी नुकसान होता।

जांच के बाद भी नहीं हुई कार्रवाईः मामला सामने आने पर तत्कालीन उपायुक्त रमेश घोलप ने उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जांच पूरी हो चुकी है और कई अंचलों के कंप्यूटर ऑपरेटरों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने 5 महीने पहले उपायुक्त चतरा को भी लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं की गई।

पीएमओ से गुहारः शकील अहमद ने पीएमओ से आग्रह किया है कि इस घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी कंप्यूटर ऑपरेटरों, कर्मियों और उच्च अधिकारियों पर विभागीय व कानूनी कार्रवाई की जाए।

रांची में पिकअप वैन से 1000 पेटी नकली शराब बरामद

बाजार में खपाने की थी तैयारी

मेट्रो रेज

रांची : रांची में अवैध नकली विदेशी शराब के कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1000 पेटी अवैध विदेशी शराब बरामद की हैं। यह कार्रवाई रांची के सहायक उत्पाद आयुक्त उमा शंकर सिंह के निर्देश पर की गई। छापेमारी के दौरान एक आरोपी राहुल नायक को गिरफ्तार किया गया हैं। उत्पाद विभाग की टीम ने नगड़ी, रातु और धुर्वा थाना क्षेत्र में एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बरामद की गई। जानकारी के मुताबिक, दूसरे जिले से अवैध शराब को रांची लाकर शहर में खपाने की तैयारी की जा रही थी। छापेमारी के दौरान विभाग ने एक कार और दो पिकअप वैन समेत कुल तीन वाहनों को भी जब्त किया हैं।

तीन थाना क्षेत्रों में रेडः उत्पाद विभाग को यह सूचना मिली थी कि रांची में बड़े पैमाने पर नकली विदेशी शराब का ट्रांसपोर्टेशन होने वाला है। सूचना के बाद उत्पाद विभाग के द्वारा एक बड़ी टीम रेड के लिए तैयार किया गया। सटीक सूचना के आधार पर रांची के नगड़ी, रातू और धुर्वा थाना क्षेत्र में नकली शराब बेचने वाले तस्करों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में उत्पाद विभाग की टीम ने 1000 पेटी, जिसमें लगभग 850 लीटर नकली शराब था, उसे जब्त किया है। मौके से उत्पाद विभाग की टीम ने राहुल नायक नाम का एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है।

कार और पिकअप वैन जब्तः सहायक उत्पाद आयुक्त उमा शंकर सिंह ने बताया कि नकली शराब को रांची से निकालकर दूसरे जिलों में बेचने की तैयारी की गई थी। सूचना मिलने पर उत्पाद विभाग की टीम की ओर से यह कार्रवाई की गई है। जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब जो पूरी तरह से नकली है बरामद किया गया है। उमाशंकर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ में कई तस्करों के नाम का खुलासा हुआ है, जो नकली शराब बनाते हैं और फिर उसे बाजार में खपाने का काम करते हैं। सभी के खिलाफ कार्रवाई के लिए टीम तैयार की जा रही है। छापेमारी के दौरान एक कार और दो पिकअप वैन को जब्त किया गया है।

उत्पाद विभाग के द्वारा बरामद किए गए नकली शराब की खेप में हर तरह के ब्रांड का नकली शराब मौजूद था। क्वार्टर बोतल से लेकर हाफ और फूल बोतलों में भी नकली शराब भरी पड़ी थी। सभी नकली शराब के बोतलों के ऊपर ओरिजिनल रैपर लगाए गए थे, ताकि उसे बाजार में आसानी से खपाया जा सके।

धरना पर बैठे सोलर पावर प्लांट के सुरक्षाकर्मी

पिपरवारः सीसीएल से संचालित सोलर पावर प्लांट कारो के निजी सुरक्षाकर्मी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गये हैं. एलएनबी कंपनी में कार्यरत सभी 14 सुरक्षाकर्मी प्लांट के गेट के बाहर चार सूत्री मांगों को लेकर धरना पर बैठ गये हैं. उन्होंने प्लांट का देखरेख कर रही एलएनबी कंपनी पर आर्थिक शोषण करने का आरोप लगाया है. उन्हें न्यूनतम मजदूरी से भी कम वेतन देने की बात कही. सुरक्षाकर्मी अनस्कील्ड वेतन 783 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं. आरोप है कि कंपनी ने तीन वर्षों से उनके ईपीएफ एकाउंट में पैसे जमा नहीं किये हैं. इसके अलावा प्रत्येक महीने के सात तारीख तक वेतन भुगतान करने व सुरक्षा उपकरण जूता, टार्च लाइट, वर्दी व डंडा देने की मांग कर रहे हैं. सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि उक्त मांगों के संबंध में हमने पिपरवार जीएम को लिखित आवेदन दिया था. पर, निर्धारित समय के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी. जिसकी वजह से उन्हें अपने अधिकारों के लिए धरने पर बैठना पड़ा ।

मुख्यमंत्री ने तैराक इशांक सिंह को किया सम्मानित

तैराक इशांक सिंह ने भारत और श्रीलंका के बीच स्थित पाल्क स्ट्रेट को पार कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने अद्भुत साहस और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भारत और श्रीलंका के बीच स्थित चुनौतीपूर्ण पाल्क स्ट्रेट को पार कर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उन्हें सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने इशांक सिंह को 5 लाख रुपये का चेक, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इशांक सिंह ने 30 अप्रैल 2026 को लगातार 9 घंटे 50 मिनट तक तैरते हुए 29 किलोमीटर लंबे पाल्क स्ट्रेट को पार किया था। इस उपलब्धि के बाद उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि इशांक सिंह ने अपने प्रदर्शन से पूरे झारखंड का नाम देश और दुनिया में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर खेल नीति, आधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है।

हाईकोर्ट ने एसीबी को पूरे केस की जांच का दिया आदेश

भूमि की खरीद-बिक्री और अंचल के दस्तावेजों में हेरफेर का मामला

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद रांची के नामकुम इलाके में हुई भूमि की खरीद-बिक्री और अंचल के दस्तावेजों में हेरफेर की जांच एसीबी ने शुरू कर दी है। एसीबी ने इस पूरे मामले में फिलहाल प्रारंभिक जांच शुरू की है प्रारंभिक जांच में घोटाले और गड़बड़ी की पुष्टि के बाद एजेंसी इस मामले में पीई दर्ज करने की अनुमति मांग सकती है। दरअसल 4 मई को झारखंड हाईकोर्ट ने नामकुम अंचल के एक दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) से जुड़े मामले में मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए जाने के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए एसीबी को पूरे केस की जांच का आदेश दिया है। अदालत को इस बात का अंदेशा है कि जिस भूमि का रिकॉर्ड अंचल प्रार्थी को नहीं देना चाह रहा है कहीं उसका म्यूटेशन गलत ढंग से तो नहीं किया गया। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश शंकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। इस संबंध में थॉमस साइमन साइरिल हंस ने याचिका दायर की है। जिस भूमि को लेकर मामला हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंचा है वह नामकुम अंचल के टुंडुल इलाके में स्थित है।

हिंदपीढ़ी में करंट से युवक की मौत, पीड़ित परिवार से मिले शमशेर आलम

बिजली विभाग की लापरवाही पर जताया आक्रोश, नंगे तारों को तत्काल कवर करने का दिया निर्देश

(गुलाम शाहिद)

रांचीः राजधानी रांची के हिन्दपीढ़ी क्षेत्र में बिजली विभाग की कथित लापरवाही के कारण करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

इस दौरान उन्होंने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए बिजली विभाग की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शहर के कई इलाकों में अब भी खुले और नंगे बिजली तार लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं, लेकिन विभाग इस ओर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुरक्षा के उपाय किए जाते तो इस युवक की जान बच सकती थी।

शमशेर आलम ने मौके पर ही बिजली विभाग के जीएम से बात कर हिन्दपीढ़ी समेत अन्य संवेदनशील इलाकों में खुले एवं नंगे तारों को जल्द से जल्द कवर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने के लिए वे राज्य सरकार को अनुशंसा करेंगे, ताकि परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग मिल सके।

मौके पर स्थानीय लोग एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। लोगों ने बिजली विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की।

टैगोर जयंती पर विशेषः

भारतीय साहित्य, संगीत व कला संस्कृति के उपासक थे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

तुषार कांति शीट

रांचीः रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य, संगीत व कला-संस्कृति के उपासक थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्हें गुरुदेव , कविगुरु और विश्वकवि के नाम से भी जाना जाता है।

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोरासांको ठाकुरबाड़ी में देवेंद्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के घर हुआ।

वे 13 भाई-बहनों में सबसे छोटे थे और घर में रबी़ कहकर बुलाए जाते थे।

परिवार का माहौल साहित्यिक और सांस्कृतिक था, जिससे बचपन से ही उनमें साहित्य, संगीत और कला के प्रति रुचि विकसित हुई। उनके

पिता चाहते थे कि वे बैरिस्टर बनें, इसलिए 1878 में उन्हें इंग्लैंड के ब्रिजस्टोन पब्लिक स्कूल और बाद में लंदन यूनिवर्सिटी भेजा गया। लेकिन 1880 में बिना डिग्री पूरी किए वे भारत लौट आए।

रवींद्रनाथ टैगोर ने आठ साल की उम्र में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। 16 साल की उम्र में भानुसिंह छद्म नाम से उनका पहला काव्य संग्रह प्रकाशित हुआ।

टैगोर कवि, नाटककार, उपन्यासकार, चित्रकार और

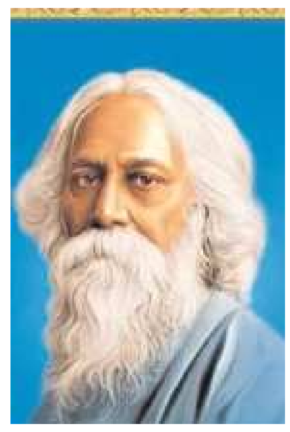

संगीतकार सभी थे। उन्होंने 2200 से अधिक गीत लिखे, जिन्हें रवींद्र संगीत कहा जाता है।

उनकी रचना गीतांजलि के लिए 1913 में उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला - यह सम्मान पाने वाले वे एशिया के पहले व्यक्ति थे।

भारत का राष्ट्रगान जन गण मन और बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला दोनों टैगोर की रचनाएं हैं। श्रीलंका के राष्ट्रगान का एक हिस्सा भी उनसे प्रेरित माना जाता है।

1901 में उन्होंने शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य आश्रम की स्थापना की, जो बाद में विश्वभारती विश्वविद्यालय बना।

यहां उन्होंने प्रकृति के सान्निध्य में रचनात्मक और मुक्त शिक्षा की पद्धति अपनाई।

1915 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि दी, लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में 1919 में उन्होंने यह उपाधि लौटा दी। रवींद्रनाथ टैगोर का निधन 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में हुआ।

उनका साहित्य, संगीत और शिक्षा दर्शन आज भी भारतीय और वैश्विक संस्कृति को प्रभावित करता है। हर साल उनकी जयंती बोइशाख की 25 तारीख को पचीशे बोइशाख के रूप में बंगाल में बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

टैगोर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कला, शिक्षा और मानवता एक साथ चलकर समाज को बदल सकती हैं।

कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद और राष्ट्रगान के रचयिताः रवींद्रनाथ टैगोर बंगाल पुनर्जागरण के सबसे बड़े साहित्यकार थे। उन्होंने साहित्य, संगीत, चित्रकला, शिक्षा और दर्शन सब पर गहरी छाप छोड़ी।

पिराली ब्राह्मण परिवार, पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर ब्रह्म समाज के नेता थे। परिवार साहित्य, संगीत और समाज सुधार से जुड़ा था। घर पर ही शिक्षा हुई। 17 साल की उम्र में इंग्लैंड भेजे गए, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़कर वापस आ गए।

साहित्यिक यात्राः टैगोर ने 50 से ज्यादा काव्य संग्रह, 12 उपन्यास, 100 से ज्यादा कहानियां, नाटक, निबंध और पत्र लिखे। उनकी भाषा सरल थी, लेकिन भाव गहरे।

मुख्य रचनाएंः

गीतांजलिः 1910 में प्रकाशित काव्य संग्रह। 1913 में इसी के अंग्रेजी अनुवाद के लिए उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वो पहले गैर-यूरोपीय नोबेल विजेता बने।

राष्ट्रगानः भारत का जन गण मन और बांग्लादेश का आमार सोनार बांग्ला दोनों उन्होंने लिखे। उपन्यासः गोरा, चोखेर बाली, गृहबाहिर- नाटकः डाकघर, राजा, अचलायतन

कहानियांः काबुलीवाला, पोस्टमास्टर, क्षुधित पाषाण

शिक्षा और शांतिनिकेतनः टैगोर का मानना था कि शिक्षा प्रकृति और रचनात्मकता से जुड़ी होनी चाहिए। वर्ष 1901ः शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य आश्रम शुरू किया।

1921ः इसे विश्वभारती विश्वविद्यालय बनाया। यहां कला, संगीत, कृषि और मानविकी सब पढ़ाए जाते थे।

क्लासरूम के बाहर पेड़ों के नीचे पढ़ाई, छात्र-शिक्षक का बराबर संबंध, कला और शिल्प पर जोर।

संगीत और चित्रकला- रवींद्र संगीतः 2000 से ज्यादा गीत खुद लिखे और संगीतबद्ध किए। ये बंगाली संस्कृति की पहचान बन गए।

चित्रकलाः 60 साल की उम्र के बाद पेंटिंग शुरू की। उनकी पेंटिंग्स यूरोप और अमेरिका में प्रदर्शित हुईं। शैली आदिम और अभिव्यक्तिवादी थी।

राजनीति और दर्शनः शुरूआत में ब्रिटिश राज के समर्थक थे, लेकिन 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद नाइटहुड वापस कर दिया।

गांधी के दोस्त थे, लेकिन अहिंसा और राष्ट्रवाद पर उनके मतभेद थे। टैगोर अंतरराष्ट्रीयतावाद और मानवतावाद पर जोर देते थे।

दर्शनः उपनिषद, वैष्णव भक्ति और सूफी परंपरा का मिश्रण। उनका जोर जीवित ईश्वर पर था, जो मनुष्य, प्रकृति और सौंदर्य में बसता है।

अंतिम वर्ष और मृत्युः जीवन के आखिरी सालों में वो बीमार रहे, लेकिन लिखना नहीं छोड़ा। सात अगस्त 1941 को कोलकाता में निधन हुआ।

विरासत

टैगोर की विरासत 3 बातों में हैः

भाषाः बंगाली गद्य और पद्य को आधुनिक रूप दिया।

शिक्षाः शांतिनिकेतन आज भी उनके प्रयोग का केंद्र है। मानवतावादः उनकी रचनाएं जाति, धर्म, सीमा से परे इंसान को जोड़ती हैं। टैगोर खुद कहते थे, मैं सो रहा था और सपना देखा कि जीवन आनंद है। मैं जागा और देखा कि जीवन सेवा है। मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में आनंद है।

(लेखक जाने-माने समाजसेवी और श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव हैं)

धीरज साहू व इरफान अंसारी की मुलाकात के बाद राधा कृष्ण किशोर ने 18 तक साधी चुप्पी

रांची : राजधानी रांची में शुक्रवार की शाम कांग्रेस के भीतर चल रही हलचल उस वक्त और गहरी हो गई, जब पूर्व सांसद धीरज साहू और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी अशोक नगर स्थित आवास पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मिलने पहुंचे. बंद कमरे में हुई इस मुलाकात में संगठन,

राजनीतिक हालात और सामाजिक संतुलन जैसे मुद्दों पर लंबी चर्चा हुई. बैठक के बाद राधा कृष्ण किशोर ने साफ संकेत दिए कि वे पार्टी के कुछ फैसलों से नाराज हैं, लेकिन फिलहाल सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बोलेंगे. उन्होंने कहा कि 18 मई तक संयम रखेंगे और अपनी बात कांग्रेस प्रभारी के राजू के सामने रखेंगे. उन्होंने दलित, वंचित और कमजोर वर्गों की भागीदारी और सम्मान को लेकर भी चिंता जताई.

धीरज साहू ने कहा कि सार्वजनिक बयानबाजी से भाजपा को मौका मिलता है, इसलिए सभी विवाद संगठन के भीतर सुलझाए जाने चाहिए।

आजसू ने की विवि व महाविद्यालयों में प्रस्तावित रिस्ट्रक्चरिंग व क्लस्टरिंग सिस्टम निरस्त करने की मांग

राज्यपाल व मुख्यमंत्री को सौंपा विरोध-पत्र

रांचीः आजसू ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों एवं प्रस्तावित रिस्ट्रचरिंग व क्लस्टरिंग सिस्टम संबंधी संकल्प को तत्काल निरस्त करने हेतु राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को विरोध-पत्र सौंपा।

आजसू ने ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री महोदय को कहा कि झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी संकल्प पत्रांक 05/प0-13/2023 - 902, संकल्प पत्रांक 05/प0-06/2023 - 893 एवं अन्य संकल्प पत्रों के माध्यम से राँची विश्वविद्यालय, इसके अंतर्गत संचालित अंगीभूत महाविद्यालयों एवं झारखण्ड के अन्य विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के रिस्ट्रचरिंग व क्लस्टरिंग सिस्टम को लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है।

यह प्रस्ताव राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा झारखंड की भाषाई एवं सांस्कृतिक अस्मिता के लिए अत्यंत चिंताजनक, अव्यावहारिक एवं जनविरोधी प्रतीत होता है। अतः आजसू इस संपूर्ण व्यवस्था का पुरजोर विरोध करते हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से इसे तत्काल निरस्त करने की मांग करती हैं।

झारखंड सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से अभी भी विकासशील राज्यों की श्रेणी में आता है। राज्य के अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण, आदिवासी, दलित, पिछड़े एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। ऐसे विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बीच अपने निकटवर्ती महाविद्यालयों में अध्ययन कर पाते हैं। वर्तमान व्यवस्था में एक ही महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय उपलब्ध रहने से विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता, सहज पहुँच तथा संतुलित शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होता है।

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग
कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची-834010

क्रमांक-853 दिनांक-07.05.2026

निविदा सूचना

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, राँची द्वारा पुराने अनुपयोगी/अप्रयुक्त (Unused) प्रश्न पत्र, ओ०एम०आर० उत्तर शीट, मुद्रित प्रपत्र, प्रतिवेदन आदि को कतरित (Shredding) कर विक्रय करने हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची-834010 स्थित कार्यालय (स्थापना शाखा) से कोरे कागज में आवेदन देकर तथा 1000/- (एक हजार रूपये) का राष्ट्रीयकृत बैंको के बैंक ड्राफ्ट जो सचिव, झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, राँची के नाम से देय हो जमा करके दिनांक-11.05.2026 से 20.05.2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त की जा सकती है। अन्य विवरण इस प्रकार है:-

क्रमांक	सामग्री का विवरण	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
01	विभिन्न प्रकार की अनुपयोगी/ अप्रयुक्त दस्तावेज को कतरित कर विक्रय	1000/-	20.05.2026	21.05.2026

निविदा प्रपत्र एवं शर्तें आयोग की वेबसाईट- www.jssc.jharkhand.gov.in पर भी उपलब्ध है। निविदा कर्त्ता वेबसाईट से डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र के साथ निविदा शुल्क के रूप में 1000/- रू० का बैंक ड्राफ्ट संलग्न कर निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि के पूर्व आयोग कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

ह०/-
सचिव
PR.NO.379290 Jharkhand Staff Selection Commission(26-27):D झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग, राँची।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

हार की बौखलाहट व जीत का उन्माद दोनों ही घातक

चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली का अहम हिस्सा है। चुनाव में हार-जीत व अल्पमत-बहुमत का दौर भी राजनीतिक दलों के लिए उतार-चढ़ाव के माफिक होता है। भारतीय लोकतंत्र की खासियत यही है कि यहां जनादेश को राजनीतिक दल विनम्रता से स्वीकार करते आए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान व्यक्तिगत हमले और तीखी बयानबाजी का दौर तो पहले ही चिंता का विषय बना हुआ है। लेकिन जब चुनावी हार में बौखलाहट और जीत में उन्माद नजर आने लगे तो दोनों ही स्थितियां हिंसा को बढ़ावा देने वाली और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली ही होती हैं। एक दौर में हमारे देश में कुछ राज्य चुनाव पूर्व और चुनाव बाद की हिंसा के लिए बदनाम थे। कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने का काम हुआ तो धीरे-धीरे हिंसा की घटनाएं कम भी हुईं। लेकिन पश्चिम बंगाल इसका अपवाद ही रहा। यह सही है कि इस बार सुरक्षा बलों ने पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा पर एक हद तक रोक लगाने का प्रयास किया है। लेकिन नतीजों के बाद में हिंसा के जो संकेत आ रहे हैं वे चिंताजनक हैं। पश्चिम बंगाल में सीएम पद के दावेदार और भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी के पीए समेत अलग-अलग घटनाओं में चौबीस घंटे में ही पांच जनों की हत्या कर दी गई। मरने वालों में भाजपा व तृणमूल कांग्रेस दोनों के ही कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। बात केवल पश्चिम बंगाल की ही नहीं। चुनावी हिंसा कहीं भी होती है तो दोनों ही पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे जनादेश को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करें। हार-जीत को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाना लोकतंत्र में स्वाभाविक है लेकिन जीत की प्रक्रिया में अतिरेक हो जाए तो संघर्ष को टालना मुश्किल हो जाता है। यही संघर्ष हिंसा में तब्दील होते देर नहीं लगती। पश्चिम बंगाल में नतीजों के बाद जो घटनाएं सामने आ रही हैं, वे हार-जीत की प्रतिक्रिया के रूप में ही देखी जा रही हैं। सीधे तौर पर किसी दल विशेष की संलिप्तता इन घटनाओं में भले ही सामने नहीं आए लेकिन संकेत जरूर दे देती है। स्वस्थ लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि जीतने वाला दल बड़प्पन दिखाते हुए सत्ता में आने पर बदले की भावना से काम नहीं करे तो हारने वाले दल से भी यह उम्मीद की जाती है कि वह हार की प्रतिक्रिया को हिंसा में तब्दील नहीं करे। हार स्वीकार न करना, ईवीएम या चुनाव प्रक्रिया पर समुचित आधार के बिना सवाल उठाने को जनादेश का अपमान ही कहा जाएगा। नुकसान उस जनता का ही है जो उम्मीदों के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधाायिकाओं में भेजती है। राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई में जनता से जुड़े मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और स्वाभाविक रूप से विकास भी बाधित होता है। जीत में विनम्रता और हार में मयार्दा जरूरी है। राजनीति में यह लक्ष्मण रेखा दलों और उनके कार्यकर्ताओं को ही खींचनी होगी।

बंगाल का रक्त-चरित्र

बेशक पश्चिम बंगाल में परिवर्तन का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का रक्त-चरित्र नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का बदलापुर सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट भवानीपुर में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के रक्तचरित्र को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो नंगा नाच सामने आया है, उनके रक्तबीज कौन हैं? कमोबेश बंगाल से भद्रलोक का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का रक्तचरित्र यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी बदला नहीं, बदलाव की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का रक्तरंजित चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो रक्तबीज कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान संस्थानगत आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक इकोसिस्टम तैयार हो गया। तृणमूल के गुंडे, हमलावर आज भी उसी सिस्टम की धमकियां दे रहे हैं, लिहाजा भाजपा सरकार के सामने सबसे विराट चुनौती यही है कि उस सिस्टम को प्राथमिकता के साथ कुचला जाए। अब जनादेश के बाद उन दफ्तरों को छुड़ाने के लिए उत्पात मचाए जा रहे हैं, जिन पर किसी अन्य दल ने कब्जा कर लिया था। ऐसे हमले तृणमूल के दफ्तरों पर अधिक हो रहे हैं। तृणमूल दफ्तरों पर बुलडोजर चलाने की भी खबरें हैं। बहरहाल बंगाल के रक्तचरित्र के लिए ममता बनर्जी और उनके सांसद-भतीजे अभिषेक बनर्जी को माफ नहीं किया जाना चाहिए। अभिषेक ने जल्लाद , दिल्ली में बाप और अमित शाह बंगाल में घुस कर दिखाए सरीखे शब्दों और वाक्यों का जो इस्तेमाल किया था, उस पर हिंसा और हत्याओं की सुई केंद्रित क्यों न की जाए?

लिव-इन रिलेशनशिप: स्वतंत्रता का भ्रम या संबंधों का संकट

विवाह को एक रूढिगत परंपरा मानकर उसकी अस्वीकार्यता जब भी किसी समाज में बढ़ी, उसके दुष्परिणाम समय-समय पर सामने आए हैं। 1934 में मानव विज्ञानी जेडी. अनविन की पुस्तक 'सेक्स एंड कल्चर' 80 संस्कृतियों और छह सभ्यताओं के अध्ययन पर आधारित है। अनविन ने निष्कर्ष निकाला कि जिन समाजों में विवाह संस्था कमजोर होती है, वहां सामाजिक संरचनाएं भी प्रभावित होती हैं।युवा पीढ़ी के एक वर्ग के लिए अनविन का शोध स्वीकार्य न हो, लेकिन देश की न्यायिक व्यवस्था लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मामलों की बढ़ती संख्या से जूझ रही है। विभिन्न अवसरों पर न्यायालयों ने संकेत दिया है कि लिव-इन रिलेशनशिप को विवाह का विकल्प मानना गंभीर परिणामों को जन्म दे सकता है।

डॉ. ऋतु सारस्वत

लिव टुगेदर, स्प्लिट अप, देन कंप्लेंट'(साथ रहे, अलग हुए और फिर शिकायत दर्ज कर दी) , यह तल्ख टिप्पणी हाल ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान सामने आई, जहां एक महिला ने अपने पूर्व साथी के विरुद्ध आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। न्यायालय ने कहा, 'लिव-इन रिलेशनशिप में यही होता है। लोग वर्षों तक साथ रहते हैं और जब उनका संबंध टूटता है, तो महिला पुरुष के विरुद्ध यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराती है। विवाह के बाहर के संबंधों की यही अनिश्चितताएं और जटिलताएं हैं।

यह पहला मामला नहीं है। देश की विभिन्न अदालतों में ऐसे कई प्रकरण सामने आए हैं, जहां युवा जोड़े साथ रहते हैं, लेकिन संबंध विच्छेद की स्थिति में महिलाएं अपने साथी पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाती दिखाई देती हैं। नवंबर 2025 में 'समाधान बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य' मामले में सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने टिप्पणी की 'किसी संबंध के समाप्त या अप्रिय हो जाने मात्र से उसे दुष्कर्म में परिवर्तित नहीं किया जा सकता।' न्यायालय ने यह भी कहा, 'हर बिगड़े हुए संबंध को दुष्कर्म में बदलना अपराध की गंभीरता कम करता है और आरोपी पर अमिट कलंक व गंभीर अन्याय थोपता है। यह दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है। 'ये मामले इसलिए भी सामने आ रहे हैं क्योंकि लिव-इन रिलेशनशिप की अवधारणा भारतीय मध्यमवर्गीय समाज में स्थापित सामाजिक और वैधानिक मानकों के बीच टकराव पैदा करती है। यह विरोधाभास संवैधानिक वैधता और सामाजिक स्वीकृति के बीच वर्षों से मौजूद है। वर्ष 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने 'एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल' मामले में स्पष्ट कहा कि दो वयस्क बिना विवाह के साथ रह सकते हैं और इसे अवैध नहीं माना जाएगा। यह निर्णय विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर दिया गया था।

अब यह प्रश्न उठता है कि क्या लिव-इन रिलेशनशिप को वैधानिक मान्यता मिलने से महिलाओं के हित वास्तव में सुरक्षित हुए हैं। यह सही है कि न्यायालय और वैधानिक व्यवस्था ने महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का प्रयास किया है, लेकिन कानूनी सुरक्षा के अलावा एक सामाजिक वास्तविकता भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था आज परंपरा और आधुनिकता के दोराहे पर खड़ी है। युवा पीढ़ी का एक वर्ग स्त्री-मुक्ति विमर्श को विवाह से मुक्ति के रूप में समझता प्रतीत होता है, जबकि स्त्री-मुक्ति का मूल उद्देश्य उत्पीड़न असमानता और अन्याय से मुक्ति है। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जो महिलाएं स्वतंत्रता और स्वायत्तता के आधार पर लिव-इन रिलेशनशिप अपनाती हैं, वे बाद में कई परिस्थितियों में उसी सामाजिक व्यवस्था और परंपरागत मूल्यों का हवाला देते हुए न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाता हैं? विश्व स्तर पर स्त्री और पुरुष के लिए नैतिक मानदंड समान नहीं हैं। विवाह को एक रूढिगत परंपरा मानकर उसकी अस्वीकार्यता जब भी किसी समाज में बढ़ी, उसके दुष्परिणाम समय-समय पर सामने आए हैं। 1934 में मानव विज्ञानी जेडी. अनविन की पुस्तक 'सेक्स एंड कल्चर' 80 संस्कृतियों और छह सभ्यताओं के अध्ययन पर आधारित है। अनविन ने निष्कर्ष निकाला कि जिन समाजों में विवाह संस्था कमजोर होती है, वहां सामाजिक संरचनाएं भी प्रभावित होती हैं।युवा पीढ़ी के एक वर्ग के लिए अनविन का शोध स्वीकार्य न हो, लेकिन देश की न्यायिक व्यवस्था लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मामलों की बढ़ती संख्या से जूझ रही है। विभिन्न अवसरों पर न्यायालयों ने संकेत दिया है कि लिव-इन रिलेशनशिप को विवाह का विकल्प मानना गंभीर परिणामों को जन्म दे सकता है। अदनान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि विवाह संस्था व्यक्ति को जो सुरक्षा, सामाजिक स्वीकृति, प्रगति और स्थिरता देती है, वह लिव-इन रिलेशनशिप नहीं दे सकती। यह चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना आने वाले समय में युवा पीढ़ी के लिए घातक हो सकता है।

मानवीय संवेदना से सशक्त होता समाज

जब लोग अपनी अतिरिक्त वस्तुएं साझा करते हैं, तो न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि अपशिष्ट भी कम होता है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। यह सर्कुलर इकॉनमी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां वस्तुओं का पुनः उपयोग किया जाता है ।

अनुज आचार्य

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दान की संस्कृति केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह अब वस्तुओं, सेवाओं और सामुदायिक सहयोग के रूप में एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुकी है। विशेषकर 2025-2026 के दौर में ह्यइन-काइंड डोनेशनह्ल यानी वस्तुओं के रूप में सहायता देने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। कपड़े, भोजन, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री अब बड़े पैमाने पर जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा रही है। यह न केवल मानवीय संवेदना का परिचायक है, बल्कि एक संतुलित और सह-अस्तित्व वाले समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है। दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश इस मानवीय प्रयास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से खाद्य, चिकित्सा और आपदा राहत सामग्री का सबसे बड़ा दाता रहा है। भारत, जर्मनी और यूरोपीय संघ भी संकटग्रस्त क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता, आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने में सक्रिय हैं।

मध्य-पूर्व के कतर और सऊदी अरब, अफ्रीका और एशिया के जरूरतमंद देशों में खाद्य सहायता और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं। जापान, स्वीडन और तुर्की जैसे देश भी अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा मानवीय सहायता में लगाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक स्तर पर दान एक साझा जिम्मेदारी बन चुका है। भारत में भी यह प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है। यहां कई संस्थाएं और सामाजिक पहलें जरूरतमंदों तक सीधे सहायता पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। नेकी की दीवार जैसी पहलें समाज में सहयोग और साझा करने की भावना को सशक्त बनाती हैं। इसका सरल संदेश, आपके पास अतिरिक्त है तो छोड़ जाएं, जरूरत है तो ले जाए , समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य करता है। इसी प्रकार, भारत विकास परिषद जैसी संस्था कई प्रकार के समाजोपयोगी कार्यक्रमों द्वारा सीधे जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचा रही है, तो गूंज जैसी संस्थाएं पुराने कपड़ों को उपयोगी बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित करती हैं। उदय फाउंडेशन, क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और अन्य संगठन भोजन, कपड़े और दवाइयों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई संस्थाएं इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। साल्वेशन आर्मी, गुडविल और हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी जैसी संस्थाएं न केवल वस्तुएं एकत्र करती हैं, बल्कि उन्हें जरूरतमंदों तक व्यवस्थित तरीके से पहुंचाती भी हैं। वहीं, थ्रेड टुगेदर और यूनिक्लो जैसी पहलें नए लेकिन अनसोल्ड कपड़ों को बेकार होने से बचाकर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराती हैं। दान की इस बदलती संस्कृति में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। फ्रीसाइकिल और बाय नथिंग जैसे ऑनलाइन समूहों के माध्यम से लोग अपने अप्रयुक्त सामान को दूसरों के साथ साझा कर रहे हैं। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फ्री स्टफ समूहों की लोकप्रियता बढ़ रही है, जहां बिना किसी आर्थिक लेन-देन के वस्तुओं का आदान-प्रदान किया जाता है। फ्रांस जैसे देशों में सॉलिडेरिटी फ्रिज की पहल भी सराहनीय है, जहां लोग अतिरिक्त भोजन खुले फ्रिज में रख देते हैं, जिसे जरूरतमंद लोग ले सकते हैं। भारत में परोपकार की परंपरा को आगे बढ़ाने में व्यक्तिगत दानवीरों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, एचसीएल के संस्थापक शिव नादर देश के सबसे बड़े दानदाता बने हुए हैं, जिन्होंने 2025 में हजारों करोड़ रुपए शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए दान किए। उनके बाद मुकेश अंबानी, बजाज परिवार, कुमार मंगलम बिड़ला और गौतम अडानी जैसे उद्योगपति भी समाज सेवा में सक्रिय हैं। महिलाओं में रोहिणी नीलेकणी का योगदान उल्लेखनीय है, जो शिक्षा और सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत में दान केवल बड़े उद्योगपतियों तक सीमित नहीं है।

ह्यहाउ इंडिया गिव्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल दान का बड़ा हिस्सा आम परिवारों से आता है। नकद, वस्तुओं और सेवा के रूप में दिया जाने वाला यह योगदान लगभग 540 अरब रुपए वार्षिक आंका गया है। यह दशार्ता है कि भारतीय समाज में दान और सहयोग की भावना गहराई से निहित है। हालांकि, दान की इस बढ़ती प्रवृत्ति के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। उदाहरण के लिए, देश के बड़े धार्मिक संस्थानों और मंदिरों के पास अपार संपत्ति मौजूद है। तिरुपति बालाजी और पद्मनाभस्वामी जैसे मंदिरों की संपत्ति कई छोटे देशों की जीडीपी से भी अधिक बताई जाती है। ऐसे में यह विचार उठता है कि क्या इन संसाधनों का एक हिस्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी उन्मूलन के लिए अधिक प्रभावी तरीके से उपयोग किया जा सकता है? यह बहस समाज में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की आवश्यकता को रेखांकित करती है। दान का महत्व केवल आर्थिक या भौतिक सहायता तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करता है, पर्यावरण संरक्षण में सहायक होता है और मानवता की भावना को जीवित रखता है। जब लोग अपनी अतिरिक्त वस्तुएं साझा करते हैं, तो न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि अपशिष्ट भी कम होता है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। यह सर्कुलर इकॉनमी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां वस्तुओं का पुनः उपयोग किया जाता है। अंततः, यह कहा जा सकता है कि दान की संस्कृति आज एक वैश्विक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुकी है, जिसमें सरकारें, संस्थाएं और आम नागरिक सभी सहभागी हैं। यह केवल सहायता देने का माध्यम नहीं, बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और समावेशी समाज के निर्माण की प्रक्रिया है। यदि इस प्रवृत्ति को और अधिक संगठित, पारदर्शी और व्यापक बनाया जाए, तो यह न केवल गरीबी और असमानता को कम करने में सहायक होगी, बल्कि मानवता के मूल्यों को भी सशक्त बनाएगी।

सेवा से बढकर कोई साधना नहीं

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज

चिंतन-मनन

एक बहुत ही प्रचलित कहावत हैं कि करो सेवा तो मिले मेवा । ज्ञानी महात्माओं ने भी अपनी शिक्षाओं द्वारा यही संदेश लोगों को दिया हैं कि सबसे मीठा फल यदि कोई है तो वह है सेवा का फल । गौर से यदि सोचा जाए तो सचमुच ही यह प्रतीत होता है कि सेवा में ही जीवन की सच्ची सफलता समाई हुई है। सेवा एक प्रकार की साधना और तपस्या है एवं दूसरों का आशीर्वाद लेने का सर्वोत्तम उपाय भी है और आंतरिक खुशी का एक बहुत बड़ा स्त्रोत भी है। त्याग और सेवा दोनों सहोदर हैं। सच्चा त्याग दूसरों की सेवा और उनके कल्याणार्थ ही तो किया जाता है, तभी तो कहते हैं कि सेवाभाव से रहित मनुष्य बड़ा स्वार्थी होता है। वर्तमान 21वीं सदी में जी रहे मनुष्यों को सेवा यह शब्द बड़ा अजीब सा व ओल्ड फेशन सा लगता है, तभी तो वह यह प्रश्न बार-बार करते हैं कि आखिर सेवा का मतलब क्या है? सरल भाषा में यदि समझा जाए तो, उदारता, सर्व हितकारी भावना, अपकारी पर भी उपकार की चेष्टा और दान-वृत्ति के बिना सच्ची सेवा का होना असंभव है। अतः सेवा करने वाले को अभिमान त्याग कर निंदा और स्तुति से ऊपर उठ बहुत सहन करना पड़ता है एवं स्वयं को निमित्त मानकर नम्र बनना पड़ता है। जो सेवा करता है, उसे किसी से भी कुछ लेने की आकांक्षा कभी नहीं रहती, अपितु उसमें तो दूसरों को देने का ही भाव बना रहता है। यदि कोई उसे दाता भी मानने लगता है तो उसके नेत्र या तो लज्जा से उस प्रशंसा के बोझ से झुक जाते हैं या उसके हाथ और चक्षु ऊपर प्रभु की ओर इशारा करते हैं, ताकि उसे अपने सेवा के कर्म का अभिमान न हो और उसके भीतर सदा निमित्त भाव बना रहे। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां हर कोई सिर्फ अपने लिए सोच रहा है, वहां निस्वार्थ सेवा करने वाला व्यक्ति किसी चमत्कार से कम नहीं होता। सेवा केवल संस्था या किसी संगठन से जुडकर ही की जाए, यह आवश्यक नहीं है। घर में बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना, रास्ते में जरूरतमंद की मदद करना या किसी दुखी मन को ढांढस बंधाना, ये सब भी सेवा के ही रूप हैं। जब सेवा जीवन का स्वभाव बन जाती है, तब व्यक्ति के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण में अद्भुत परिवर्तन आ जाता है। वह केवल लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बन जाता है।

आपके पत्र

पश्चिम बंगाल में हिंसा क्यों?

हाल ही में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम आया है, और इसके बाद यहां हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया। चुनाव के बाद यहां हिंसा का सिलसिला पुराना है, वर्ष 2011, 18, 19, 21 और अब 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद भी ऐसा हो रहा है। इस हिंसा का कारण कहीं हारे हुए राजनीतिक दलों का बौखलाना तो नहीं? अगर ऐसा है तो यह सरासर गलत है और लोकतंत्र को कलंकित करने वाला है। लेकिन सवाल तो यह है कि इतनी सुरक्षा के बाद भी यहां हिंसा क्यों हो रही है? यहां से समय-समय पर हिंसा की ऐसी खबरें सुर्खियों में आती हैं जो लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करती हैं, साथ ही वहां की कानून व्यवस्था की भी पोल खोलती हैं। इस हिंसा पर त्वरित रूप से रोक लगनी चाहिए।

आरसी वर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पीड़ित ने थाना प्रभारी से सभी के ऊपर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सोती चौकी खुटहरी निवासी विजय मंडल के पुत्र सोनू कुमार मंडल को कुछ युवकों द्वारा मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। जिसकी शिकायत विजय ने जिरवाबाड़ी पुलिस को आवेदन देकर किया है। आवेदन में विजय ने बताया कि बीते गुरुवार को मेरा पुत्र सोनू कुमार स्कूल से अपने घर मदनशाही फाटक होते हुए आ रहा था। तभी पहले से घात लगाए शाहनवाज अंसारी, युसूफ अंसारी सहित अन्य युवकों ने उसे घेर लिया और जानलेवा हमला करते हुए मारपीट करने लगा और बुरी तरह से घायल कर दिया। किसी तरह से वहां से जान बचाकर भागा और इस घटना की जानकारी हम लोगों को दिया तो तुरंत उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवा जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। पीड़ित ने थाना प्रभारी से सभी के ऊपर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इधर थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि प्राथमिक दर्ज कर ली गई है मामले की छानबीन कर कार्रवाई की जाएगी।

पोस्टमार्टम में मृतक को एक गोली लगने की हुई पुष्टि

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र छोटा उदाली गांव के सीताराम हेंब्रम उर्फ जल्का हेंब्रम 45 के शव का पोस्टमार्टम शुक्रवार को सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में हुआ। पोस्टमार्टम डॉ.केशव कृष्णा ने की है। वही इस दौरान शव का एक्सरे किया गया है।एक्सरे में मृतक को एक गोली लगने की पुष्टि हुई है।गोली मृतक के सिर के बाएं तरफ से भेद कर दाएं तरफ से निकल गई है।इधर पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। फिलहाल पुलिस इस मामले में हत्यारोपी को गिरफ्त में लेकर पूछताछ कर रही है।

यौन शोषण का आरोप लगाते हुए थाना में शिकायत दर्ज

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के एक्करा कॉलोनी निवासी नसरीन परवीन ने मो. मुस्ताक अंसारी के विरुद्ध यौन शोषण का आरोप लगाते हुए थाना में शिकायत दर्ज करवाई हैं। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस मामले की छानबीन करते हुए आगे की कार्रवाई करेगी।

जिरवाबाड़ी पुलिस ने आर्म्स एक्ट के आरोप गिरफ्तार

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के पलटनगंज निवासी छोटू पासवान को जिरवाबाड़ी पुलिस ने आर्म्स एक्ट के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि छोटू पासवान के विरुद्ध थाना में वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज हुआ था और यह लंबे समय से प्राप्त चल रहा था. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर पर छापेमारी करते हुए गिरफ्तार की कर लिया पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया।

सड़क के जर्जर रहने से ग्रामीण परेशान

साहिबगंज : जिला मुख्यालय से महज एक किलोमीटर स्थित बडा मदनशाही और बड़ा तौफिर पंचायत के ग्रामिण मुख्य सड़क का जर्जर अवस्था से परेशान है। जिसकी जानकारी कई संबंधित पदाधिकारियों को दी गई। परन्तु इसपर आज तक कोई भी कार्य नहीं हुई एवं आगे सड़क निर्माण के लिए आश्वासन भी नहीं मिला। बरसात के मौसम में मुख्य सड़क पर पानी का जमाव इतना ज्यादा हो जाता है कि आए दिन वहाँ पर स्कुल ले जाते हुए बच्चों का टोटो, बाईक एवं सवारी गाड़ियाँ पलट जाती है तथा पानी का अधिक जमाव के कारण गाड़ियों का दुर्घटना हो जाता है। जिससे की जानमाल का नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। दुर्घटना से कई ग्रामीण घायल भी हो गए है जिसका विडियो एवं फोटो भी हमलोगों के पास उपलब्ध है। इस समस्या से निदान पाने हेतु हम ग्रामीण लोग मजबुर होकर एन एच 80 मौजा बड़ा मदनशाही व बड़ा तौफिर का मुख्य सड़क को शान्तिपूर्ण तरीके से जाम करने का निर्णय लिया गया है।बड़ा मदनशाही एवं बड़ा तौफिर के मुख्य सड़क के जर्जर अवस्था के सड़क का निर्माण करने का संबंधित विभाग को निर्देश देने की कृपा की जाए, अन्यथा हम ग्रामीण सड़क जाम करने को बाध्य हो जाएँगे।

सोनू कुमार एवं अंकुश कुमार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती सेंटर रांची के लिए चयनित

साहिबगंज : झारखंड खेल प्राधिकरण रांची झारखंड सरकार द्वारा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खेल गांव में संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती बालक वर्ग के लिए खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर साहिबगंज के होनहार बालक राष्ट्रीय खिलाड़ी सोनू कुमार और अंकुश कुमार का चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ियों को रांची रवाना होने के पूर्व रेलवे स्टेशन पर जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने शुभकामना देकर रवाना किया। मौके पर खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर के कोच प्रकाश सिंह बादल, सचिव नमिता कुमारी समेत कई खिलाड़ी मौजूद थे। खेल विभाग द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कुश्ती सेंटर रांची में खिलाड़ियों को पौष्टिक आहार, आवासन एवं उच्च स्तरीय कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

कृषकों के समग्र विकास कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सके : प्रमोद एक्का

साहिबगंज : कृषि विज्ञान केंद्र साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। और वर्ष 2026-27 की कार्य योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में साहिबगंज जिले के कृषि पशुपालन भूमि संरक्षण उद्यान नाबार्ड जेएस एलपीएस जेटीडीएस आरएसइटीएल के पदाधिकारी विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि प्रगतिशील किसान व कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित थे। जबकि जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा वर्ष 2026 हेतु साहिबगंज जिले की आकस्मिक योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श उपरांत योजना को परिष्कृत किया गया। जिससे जिले के कृषकों के समग्र विकास कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सके।

सरकार के संचालित सभी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करें : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं व्यवस्थाओं व संचालित कार्यक्रमों का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन साहिबगंज वहां उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया गया ।कि अस्पताल में ओपीडी सेवा 247 प्रयोगशाला सेवा 247 प्रभावी रूप से संचालित की जाएताकि आम जनता को हर समय बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके ।उन्होंने सभी कर्मियों को जनहित में कार्य करते हुए ईमानदारी एवं समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने और अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन द्वारा ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट मंडरो का भी निरीक्षण किया गया।जिसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत भवन हस्तांतरित किया जा चुका है। उन्होंने भवन परिसर के समक्ष मिट्टी को समतल कर सुव्यव स्थित करने का निर्देश दिया ताकि आमजन एवं स्वास्थ्य कर्मियों के आवागमन में सुविधा हो तथा परिसर को बेहतर तरीके से उपयोग में लाया जा सके।सिविल सर्जन द्वारा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, सेवा व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।जो सभी कर्मियों को नियमित मॉनिटरिंग व गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया।

ईदगाह कमिटी गठन में दो पक्षों में मारपीट

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेडियम रोड स्थित ईदगाह में शुक्रवार को नई कमेटी के गठन के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई।दोनों पक्ष अपनी अपनी शिकायत जिरवाबाड़ी थाना में लिखित आवेदन दिया है।एक पक्ष के एकरा कॉलोनी मजहर टोला निवासी नसीमा खानम ने आवेदन में बताया कि ईदगाह में नई कमेटी का गठन के लिए बैठक हो रहा था।उसी समय सुनियोजित तरीके से कुछ नामजद लोग लाठी डंडा धारदार हथियार से मेरे घर आकर मुझपर ओर मेरे पुत्र व पुत्री पर हमला करके घायल कर दिया।वही दूसरा पक्ष पूर्व वार्ड पार्षद निजामुद्दीन ने भी आवेदन देकर बताया कि ईदगाह में कमेटी का गठन हो रहा था।उसमें मैं पर्यवेक्षक के रूप में था। कुछ लोगों से विवाद हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि वह लोग मिलकर मुझे और मेरे पुत्र के साथ मारपीट करने लगे।थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

छात्र छात्राओं ने इंटर आट्र्स व कॉमर्स में बढ़ाया जिले का मान

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षाफल बीते दिनों घोषित कर दी गई है। जहां शहर के कॉलेज रोड ज्ञानदा गली व तालबन्ना में संचालित बी.के.ट्यूशन सेंटर में पढ़ने वाले दर्जनों छात्र छात्राओं ने इस बार के इंटर आट्र्स व कॉमर्स की वार्षिक परीक्षा में बेहतर अंक लाकर जिले का मान बढ़ाया है।जहां शुक्रवार को तालबन्ना स्थित बी.के.ट्यूशन सेंटर के संस्थापक डॉ.बीरू कुमार केशरी कॉमर्स शिक्षिका सह निदेशक जूही केशरी ने इंटर आट्र्स व कॉमर्स में अच्छे अंकों से पास होने वाले सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।इस मौके पर कॉमर्स शिक्षिका सह निदेशक जूही केशरी ने बताया कि वर्ष 2026 के इंटर आट्र्स व कॉमर्स की परीक्षा में टॉप टेन में स्थान बनाने वाले में से कौशल कुमार मोदी रैंक आठ,आनंदी साह रैंक दशम व आट्र्स संकाय में कोचिंग टॉपर निशिका चौरसिया रही है।आगे उन्होंने बताया कि इस बार उनके शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्र छात्राओं ने इंटर आट्र्स व कॉमर्स की वार्षिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से पास किया है जो गर्व का पल है।आगे उन्होंने कहा कि वैसे छात्र छात्राएं जो पैसे के अभाव में आगे नहीं पढ़ पाते हैं वे उन छात्र छात्राओं को मुफ्त में शिक्षा देने का काम करेंगे।

झामुमो नगर कमेटी की बैठक में बुथ कमेटी जल्द गठन करने की चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झामुमो जिला कमेटी के निदेर्शानुसार शुक्रवार कों बरहरवा नगर पंचायत के कुशवाहा टोला स्थित आर बी प्लेस बरहरवा में झामुमो नगर कमेटी की एक बैठक की गई.जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने किया.बैठक मे मुख्य रूप से एसआईआर व बीएलए प्रशिक्षण एवं बुथ कमेटी कों लेकर चर्चा किया गया. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,युवा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी,जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु,जिला सचिव सुरेश टुडू,केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा,शक्तिनाथ अमन सहित अन्य उपस्थित थे.इस दौरान मंच का संचालन करते हुए झामुमो जिला उपाध्यक्ष संजीव सामू हेंब्रम ने वार्ड बार सभी बीएलए की उपस्थिति देखी व कई दिशा निर्देश दिया.झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने कहा की हमलोगो कों संगठन कों और भी मजबूत करने की जरुरत हैं.उन्होंने कहा की हर हाल मे नगर पंचायत क्षेत्र के सभी 14 वार्ड मे 14 मई तक बूथ कमिटी का गठन कर इसकी सूची जिला कमिटी कों सौपे.उन्होंने बूथ कमिटी मे महिलाओं कों भी चयन करें चुकी महिलाओं की समाज मे महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं.बूथ कमिटी गठन के लिये सभी वार्ड के लिये पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। जिसमे शक्तिनाथ अमन, धर्मवीर कुमार महतो,मो इकबाल व बप्पन कुमार एवं नीलकंठ साहा,कों शामिल किया गया.बैठक के दौरान सरकार की कार्यशैली से प्रेरित होकर शक्ति नाथ अमन के नेतृत्व में नगर पंचायत क्षेत्र के एक वार्ड पार्षद सहित कई वार्ड पार्षद के प्रतिनिधियों ने झामुमो पार्टी का दमन थामा.जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने पार्टी का गमछा ओड़ाकर स्वागत किया. जिसमें जितेंद्र स्वर्णकार,बम बम महतो, धर्मेंद्र कुमार साह, शकील परवेज,शामिल है!बैठक में झामुमो मो0 इकबाल हुसैन, शाबाश महतो,जहरूल शेख,बपन कुमार, शिवकुमार कुशवाहा, कमलजीत शर्मा, वरुण कुमार मंडल,गुलजार शेख, दिलीप कुमार शाह सुशील सेन, उज्जवल दास, अमन शर्मा,नीरज महतो, जीवन सेन,आसिफ इकबाल, सरवन कुमार, आदित्य कुमार, छोटू कुशवाहा, सहीत सैकड़ो झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे!

युवक और युवती का शव बरामद, प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

लातेहार: जिला के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत कोपे पंचायत के गेरुआ गांव के निकट स्थित जंगल में शुक्रवार को एक युवक और एक युवती का शव मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है परंतु पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है।

दरअसल, शुक्रवार को गांव के कुछ लोग मवेशी चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान युवक और युवती का शव देखकर ग्रामीणों ने हल्ला मचाया। इसके बाद आसपास के ग्रामीण वहां जमा हुए और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के निर्देश पर पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा के बाद शवों को कब्जे में ले लिया। छानबीन में पता चला कि दोनों मनिका थाना क्षेत्र के ही रहने वाले थे। युवक की पहचान सुनील कुमार सिंह के रूप में हुई। युवक की शादी भी कुछ महीने पूर्व ही हुई थी। हालांकि कुछ ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। संभावना जताई जा रही है कि प्रेम प्रसंग के मामले में ही दोनों ने आत्महत्या कर ली है।

इस संबंध में थाना प्रभारी प्रभात दास ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में ले लिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रूप से तो संभावना है कि यह आत्महत्या का मामला है। परंतु पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद काफी कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

बता दें कि गत 1 मई को लातेहार सदर थाना क्षेत्र के रिचुघुटा में रेलवे लाइन के पास प्रेमी युगल का शव बरामद हुआ था। हालांकि उस घटना में युवक के परिजनों का आरोप है कि दोनों की हत्या कर दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले के अनुसंधान भी कर रही है। लेकिन घटना के ठीक 8 दिन बाद जिले में एक बार फिर से प्रेमी युगल का शव बरामद होने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

सांसद ने 65 तीर्थयात्रियों को तीर्थ दर्शन के लिए रवाना किया

बरही : सांसद मनीष जायसवाल ने पांव पखार कर 65 तीर्थयात्रियों के जत्थे को तीर्थ दर्शन के लिए रवाना किया। सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का यह 60वां जत्था था जिसे बरही विधानसभा क्षेत्र के बरही पूर्वी मंडल से रवाना किया गया।

सांसद मनीष जायसवाल ने श्रद्धालुओं की यात्री बस को हरी झंडी दिखाकर तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का उद्देश्य समाज के उन बुजुर्गों को तीर्थ स्थलों का दर्शन कराना है, जो आर्थिक कारणों से अपने जीवन में धार्मिक यात्रा नहीं कर पाते हैं। बुजुर्गों की सेवा और उनके चेहरे की मुस्कान उनके लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है। सांसद ने सभी श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। इस मौके पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष किशुन यादव, हजारीबाग के सांसद प्रतिनिधि अजय साव, बरही विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय यादव, मुखिया सह मंडल सांसद प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, भगवान केशरी, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, आकाश जायसवाल, सुजीत कुमार, दामोदर महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

पांच दिन से धरने पर बैठे लोगों में बढ़ रही है नाराजगी कहा आरपार की लड़ाई

संवाददाता

साहिबगंज/ बरहरवा : शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में जारी अनिश्चितकालीन महाधरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। लगातार पांच दिनों से धरनास्थल पर डटे समुदाय के लोगों में प्रशासन की चुप्पी और उदासीन रवैये को लेकर भारी आक्रोश देखा गया।धरना स्थल पर बड़ी संख्या में समुदाय के छात्र,युवा एवं बुजुर्ग शामिल हुईं।आंदोलनकारियों ने ह्लहक दो या कुर्सी छोड़ोह्व, ह्लप्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी, शेरशाहबादी समाज का अपमान बंद करोह्व, ह्लहमारा हक हमें दोह्व जैसे नारों के साथ प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पांच दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन चलने के बावजूद जिला और अंचल प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है।प्रशासन की यही चुप्पी अब समाज के गुस्से को और भड़का रही है।इस बार समाज निर्णायक लड़ाई के मूड में है।अगर शांतिपूर्ण ढंग से हमारी मांगों को तवज्जो नहीं दी गई तो अपने हक अधिकार को लेने के लिए जो भी हथकंडे अपनाना पड़े,हम पीछे नहीं हटेंगे।मुखिया मो.इश्तियाक ने प्रशासन के तर्कों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंचल प्रशासन यह कहकर पल्ला झाड़ रहा है कि खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है,इसलिए प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।यह तर्क पूरी तरह तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना है। बिहार और पश्चिम बंगाल में भी किसी के खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है,क्योंकि यह पहचान अंतिम सर्वे सेटलमेंट के बाद मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की अनुशंसा के दौरान परिभाषित हुई।ऐसे में खतियान में इसका उल्लेख होना संभव ही नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार और झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा जारी विभिन्न गजट और दिशा-निर्देशों के अनुसार शेरशाहबादी समुदाय को प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना चाहिए।बिहार और पश्चिम बंगाल में आज भी स्थानीय जांच के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, जबकि झारखंड में भी वर्ष 2012 तक यही प्रक्रिया लागू थी।फिर अचानक इसे बंद करना समझ से परे है।वहीं तोफाइल शेख ने प्रशासन को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होगा।इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अब शेरशाहबादी समाज अपने अधिकार के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है।धरना स्थल पर अजमाईल शेख, वसीम अकरम मो.जावेद, जहीर शेख, आफताब आलम,शोएब आलम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संजय दत्त स्टारर आखरी सवाल का ट्रेलर रिलीज, दमदार डायलॉग्स और बेबाक अंदाज

आखरी सवाल का ट्रेलर सीधा सिस्टम पर प्रहार करता है और वो कड़े सवाल पूछने की हिम्मत रखता है जो देश ने कभी नहीं पूछे। दमदार डायलॉग्स और एक जबरदस्त नैरेटिव के साथ, यह बिना किसी शक इस साल के सबसे प्रभावशाली ट्रेलर्स में से एक है!

अपनी प्रभावशाली घोषणा और बोल्ड टीजर के बाद, संजय दत्त स्टारर आखरी सवाल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं पर गंभीर सवाल उठाकर पहले ही चर्चा छेड़ चुकी है, और अब इसका ट्रेलर देश को और भी हिला देने के लिए आ गया है।

फिल्म महात्मा गांधी की हत्या में आरएसएस की कथित संलिप्तता, बाबरी मस्जिद विध्वंस और आपातकाल जैसे संवेदनशील विषयों को छूती है, जिसने दर्शकों के बीच पहले ही तीखी बहस शुरू कर दी है। ट्रेलर अब इन घटनाओं से जुड़ी कथित साजिशों और जवाब न मिलने वाले सवालों की गहराई में जाकर छिपे हुए सच को सामने लाने की कोशिश करता है। निडर और बेबाक, यह ट्रेलर एक ऐसी गहन बहस का दरवाजा खोलता है जो दर्शकों के सामने अनसुने पहलुओं को लाने का वादा करती है।

संजय दत्त इस पूरी कहानी के केंद्र में हैं, जो दमदार डायलॉग्स बोल रहे हैं और आरएसएस पर लगे आरोपों का जवाब देते हुए इस तीखी बहस को आगे बढ़ा रहे हैं। यह फिल्म समीरा रेड्डी की वापसी का भी गवाह है, जो अपनी परफॉरमेंस से एक गहरा प्रभाव छोड़ती हैं। नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार इस रोमांचक ट्रेलर की इंटेंसिटी को और बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग का शानदार निर्देशन साफ झलकता है, जिन्होंने इस कहानी को पूरी ईमानदारी, निडरता और भरोसे के साथ पेश किया है।

दमदार सीन्स, पावरफुल डायलॉग्स, बेहतरीन परफॉरमेंस और भारत के इतिहास से जुड़ी सच्चाई की तलाश करती इस कहानी के साथ, आखरी सवाल का ट्रेलर एक गहरा प्रभाव छोड़ता है। इसके अलावा, यह फिल्म एक बड़ी बाधा को तोड़ते हुए पहली ऐसी हिंदी फिल्म बन गई है, जो बधिर लोगों के लिए इंडियन साइन लैंग्वेज के साथ रिलीज हो रही है। साथ ही, यह दृष्टिबाधित दर्शकों के लिए भी समावेशी पहुंच का लक्ष्य रखती है। फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हुए, इसने निश्चित रूप से पूरे देश को कुछ गंभीर सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया है।

आखरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के निमार्ता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

स्टार किड होने के बावजूद कोई मुझे जानता तक नहीं

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी ने बताया- आज तक काम नहीं आया नेपोटिज्म

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को कौन ही होगा जो नहीं जानता हो। अपने एक्टिंग और डांस के बलबूते पर उन्होंने इंडस्ट्री में बहुत नाम कमाया है। वहीं दूसरी तरफ यदि देखा जाए तो उनके बेटे ठेंर्ॅं को कोई नहीं जानता। उनको करियर में अपना नाम बनाने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ रही है।

2023 में मिथुन के बेटे ने इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखा था और उनकी पहली फिल्म बैड बॉय थी। लेकिन इसके बाद भी उनको वो पहचान नहीं मिली, जिसकी उनको उम्मीद थी। इसी के साथ मिथुन के बेटे बताया कि उनको स्टारकिड होने का कोई फायदा नहीं क्योंकि इंडस्ट्री के लोग उन्हें स्टारकिड्स की तरह ट्रीट नहीं करते।

ऊटी चले गए थे नमाशी चक्रवर्ती : एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनके साथ किस तरह का व्यव्हार किया जाता है। जब पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि गोविंदा और मिथुन के बच्चों को इंडस्ट्री में बाकि स्टारकिड जैसा ट्रीटमेंट क्यों नहीं दिया जाता। इसके बाद उन्होंने जवाब दिया कि गोविंदा भैया का तो मुझे कुछ खास पता नहीं लेकिन मैंने अपना बचपन मुंबई में नहीं बल्कि ऊटी में बिताया है। मै जब दो साल का ही था जब हम यहां से चले गए।

इसके बाद मिथुन के बेटे ने बताया कि वहां जाकर मेरे पापा ने होटल इंडस्ट्री बनाई। उसी जगह पर ही सारी मूवीज को शूट किया जाता था। वर्ष 2000 के बाद हम कोयंबटूर चले गए और वहां 2006 तक रहे। इसके बाद हम मुंबई आ गए।

कोई मुझे जानता तक नहींः मिथुन के बेटे नमाशी ने बताया कि जब हम वापिस मुंबई आये तो हमें कोई नहीं जनता था। मेरी फॅमिली बहुत मीडिया शाय हैं। हालांकि मेरे पापा ने बहुत मूवीज में काम किया है लेकिन फिर भी वो बॉलीवुड की बहुत कम पार्टियों में जाते थे।वो बहुत लो-प्रोफाइल स्टार हैं और आज भी वैसे ही हैं।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि मुझे ज्यादा लाइमलाइट का शौंक नहीं हैं और मुझसे ऐसा लगता है व्यक्ति की पहचान हमेशा उसके काम से होनी चाहिए, न ही उनके मां-बाप की वजह से।

चांद मेरा दिल के गाने मचा रहे धूम, स्पोर्टी फाई चार्ट्स पर छाया फिल्म का म्यूजिक

फिल्म चांद मेरा दिल रिलीज से पहले ही अपने म्यूजिक को लेकर जबरदस्त चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का टाइटल ट्रैक पहले ही दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चुका था और अब इसका नया गाना ऐतबार भी स्पोर्टी फाई चार्ट्स में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है। लगातार मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म के गानों से जुड़ रहे हैं दर्शकः फिल्म के गानों को मिल रहा प्यार साफ दिखाता है कि दर्शक इसकी म्यूजिकल जर्नी से गहराई से जुड़ रहे हैं। जहां टाइटल ट्रैक सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड कर रहा है, वहीं खासियत गाना अपनी फ्रेश और फील-गुड वाइब्स के कारण युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। हर नए गाने के साथ फिल्म का एल्बम दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाता जा रहा है।

ट्रेलर से पहले ही बना जबरदस्त माहौलः दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का पूरा ट्रेलर अभी रिलीज भी नहीं हुआ है, लेकिन सिर्फ गानों के दम पर चांद मेरा दिल ने लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। मौजूदा समय में जहां बॉलीवुड फिल्मों के एल्बम रिलीज से पहले इतना बड़ा असर कम ही छोड़ पाते हैं, वहीं इस फिल्म का संगीत लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

लक्ष्य और अनन्या पांडे की जोड़ी आएगी नजरः फिल्म में लक्ष्य और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन प्रस्तुत कर रहा है। इसके निर्माता करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमन मिश्रा और मारिज्के डिसूजा हैं। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। चांद मेरा दिल 22 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तारा सुतारिश के डोमिनेटिंग बिहेवियर से टूटा रिश्ता, वीर पहाड़िया को अपने मुताबिक कंट्रोल करना चाहती थीं, करीबी दोस्त के किया खुलासा

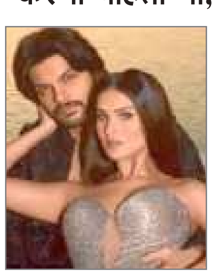

साल 2025 की शुरूआत में तारा सुतारिया अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में आ गईं थीं। तारा और वीर ने मिलकर अपने रिश्ते को सबके सामने उजागर किया था। सोशल मीडिया पर आये दिन दोनों अपनी रोमांटिक फोटोज को शेयर करते रहते थें। चाहे फिर कोई हॉलिडे हो या इवेंट, हर जगह दोनों साथ में जाते थे। इसके बाद कुछ ऐसा हुआ की दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आने लग गईं। हुआ कुछ यूं कि दोनों साथ में पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में गए। इसके बाद तारा स्टेज पर चढ़ी और सिंगर को किश किया। इसमें बाद सोशल मीडिया पर इतने मीम्स बन गए, दोनों की ब्रेकअप की खबरें सामने आने लगी। इसके बाद वीर ने लोगों को बताया कि ऐसा कुछ भी नहीं। ऐसी छोटी-मोटी बातें हमारे रिश्ते को खराब नहीं कर सकतीं। लेकिन इसके बाद फिर दोनों अलग हो गए। लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के दौरान ही दोनों का ब्रेकअप हो गया है।

यह थी तारा-वीर के ब्रेकअप की वजहः यदि आपको भी लगता है कि एक कॉन्सर्ट की वजह से दोनों का रिश्ता टूटा है तो आप बिल्कुल गलत है। कुछ खबरों के अनुसार तारा सुतारिया को काफी डोमिनेटिंग नेचर का बताया गया है। एक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि तारा वीर को अपने मुताबिक करना चाहती थीं मतलब वो चाहती थीं कि वीर के हर आस-पास की चीजें उनके मुताबिक हो। इतना ही नहीं तारा वीर की कॉल लिस्ट तक चेक किया करती थीं।

'इलियाना डिक्रूज ने शेयर किया अपना मदरवुड मोमेंट, परेशान होकर ब्रेस्टफीडिंग को बताया सबसे अजीब समय

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस 'इलियाना डिक्रूज ने पिछले साल अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। अपने पर्सनल मोमेंट्स वो अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। इसी बीच हाल में ही उन्होंने कुछ ऐसा पोस्ट किया जो काफी फनी भी है और परेशान करने वाला भी।

शेयर किया मदरवुड मोमेंट : इलियाना डिक्रूज ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो पोस्ट की जिसमें वो जमीन पर बैठी हुई हैं और उनकी गोद में उनका छोटा बेटा है, जिसे वो दूध पीतलि हुई नजर आ रही है। इसी के साथ इस फोटो में आसपास आप देख सकते हैं, हर जगह खिलौने फैले हुए हैं। इस फोटो के ऊपर उन्होंने एक कैप्शन भी लिखा हुआ है, " हम इस समय ब्रेस्टफीडिंग वाले किस अजीब दौर से गुजर रहे हैं ? इस कैप्शन के जरिए वो ब्रेस्टफीडिंग के इस दौर को सबसे कठिन मानती हैं और एक मां बनने का बाद जिंदगी कितनी बदल जाती है।

दो बेटों की मां हैं इलियानाः इलियाना ने 2023 में माइकल डोलन के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। इसके बाद इसी साल ही उन्होंने अपने पहले बेटे को जन्म दिया औरअब हाल ही में पिछले साल उन्होंने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। जब से वो मां बनी हैं, लगातार अपने लाइफ के छोटे-छोटे मोमेंट्स अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

पर्सनल के अलावा अगर उनके प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो 'इलियाना डिक्रूज ने 2006 में इंडस्ट्री में आकर करियर की शुरूआत की थी। इसी के साथ उन्होंने बॉलीवुड में भी काफी फिल्मों में भी काम किया लेकिन बर्फी', 'रुस्तम', 'मैं तेरा हीरो' और 'रेड' जैसी फिल्मों में आकर उन्होंने घर-घर में अपनी पहचान बना ली।

आईपीएल 2026 : फिन एलन के शतक से बेबस हुई दिल्ली, कोलकाता ने आठ विकेट से जीता मैच

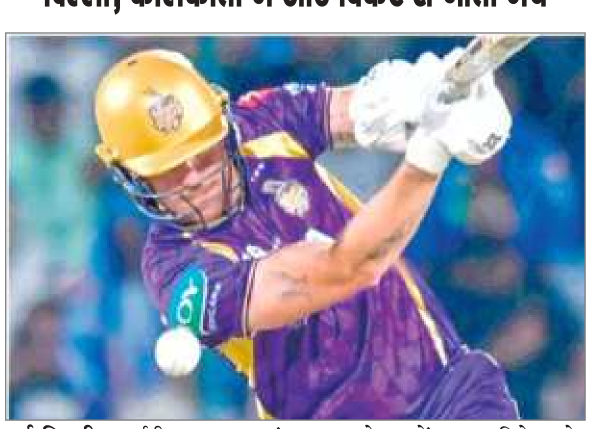

नई दिल्लीः आईपीएल का 51वां मैच शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, जिसे कोलकाता ने आठ विकेट से जीता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत हासिल की। इस हार के बाद दिल्ली प्लेऑफ रेस से लगभग बाहर हो गई है। अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 142 रन बनाए। जवाब में कोलकाता ने 143 रन का टारगेट 14.2 ओवर में दो विकेट पर चेज कर लिया। फिन एलन ने छक्का मारकर जीत दिलाई। उन्होंने अपना शतक भी पूरा कर दिया। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। ओपनर पथुम निसांका ने 29 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली, जबकि आशुतोष शर्मा ने 39 रन का योगदान दिया। केएल राहुल ने 23 रन बनाए। कोलकाता की ओर से अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट झटके। वैभव अरोड़ा, सुनील नरेन और कैमरून को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रनआउट हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरूआत अच्छी रही। केएल राहुल और पथुम निसांका ने पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। राहुल 23 रन के निजी स्कोर पर कार्तिक त्यागी का शिकार बने। रिजवी सिर्फ तीन रन बना सके। पथुम निसांका ने अर्द्धशतक लगाया।

आईपीएल 2026 : आज राजस्थान रॉयल्स-गुजरात टाइटंस में प्लेऑफ को दावा मजबूत करने की जंग

आईपीएल मुकाबले में शाम 7:30 बजे से आमने-सामने होंगे रियान पराग-शुभमन गिल

जयपुरः राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार को आईपीएल मुकाबले में रोमांचक टक्कर होगी। दोनों टीमें प्लेऑफ का अपना दावा और मजबूत करने की कोशिश करेंगी। दोनों के एक समान 12-12 अंक हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर गुजरात से आगे है। जीत ही हैट्रिक से गुजरात का मनोबल बढ़ा हुआ है। राजस्थान के लिए उसको रोकना आसान नहीं होगा। राजस्थान ने पिछले पांच में से तीन मुकाबले हारे है। पिछले मैच में उसे दिल्ली के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ था। कप्तान रियान पराग ने शानदार पारी खेलकर टीम को दो सौ के पार पहुंचाया था। पर उसके गेंदबाज 225 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए थे। ऐसे में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात को हराने के लिए राजस्थान के गेंदबाजों को एकजुट होकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। राजस्थान की ताकत उसकी बल्लेबाजी खासकर शीर्ष क्रम है। उसके दोनों ओपनर वैभव सूर्यवंशी (404 रन) और यशस्वी जायसवाल (312) पूरी तरह से रंग में है। आईपीएल का मौजूदा सत्र गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में राजस्थान को विशेष कर बीच के ओवरों में अपनी गेंदबाजी की समस्याओं को दूर करना होगा। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को नई गेंद से अच्छी शुरूआत करते हुए पावरप्ले में ही राजस्थान की आपेनिंग जोड़ी को रोकना होगा। नंद्रे बर्गर को उनका साथ देना होगा। स्पिन का दारोमदार रवि बिश्नोई और रविंद्र जडेजा पर है। वहीं, गुजरात की टीम इससे खुश होगी कि उसने सही समय पर रफ्तार पकड़ ली है। कप्तान गिल (378 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता है। साई सुदर्शन (385) भी अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। जोस बटलर (335) भी शुरूआत में बेरंग रहने के बाद अब लगातार रंग जमाने लगे हैं। टीम के गेंदबाज भी पूरी तरह से लय में हैं। रबाडा तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई बखूबी कर रहे हैं। रबाडा, कृष्णा और की तेज गेंदबाजी तिकड़ी का प्रदर्शन भी शानदार है।

पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, चंडीगढ़ और गुरुग्राम समेत 5 जगहों पर छापे

चंडीगढ़ : पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर शनिवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। सेक्टर-2 स्थित आवास पर सुबह करीब 7 बजे ईडी की टीम पहुंची। जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी लगभग 20 गाड़ियों में मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां मौके पर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआईए और स्पेशल फोर्स के करीब तीन दर्जन जवानों को भी तैनात किया गया। सुबह 7:25 बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ, जो कई घंटों तक जारी रहा।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग, एईएमए उल्लंघन, जमीन से जुड़े मामलों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत की जा रही है। एजेंसी ने केवल चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि लुधियाना, जालंधर और गुरुग्राम समेत कई शहरों में भी छापेमारी की। जांच के दायरे में संजीव अरोड़ा के परिवार और उनकी कंपनी से जुड़े कुछ कार्यालय भी शामिल बताए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के समय संजीव अरोड़ा देश में मौजूद नहीं थे। वे आधिकारिक दौरे पर नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम गए हुए हैं, जहां इनवेस्ट पंजाब कार्यक्रम के तहत उद्योगपतियों से मुलाकात कर राज्य में निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

ईडी की कार्रवाई को लेकर पंजाब की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, आज फिर से भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में ये तीसरी बार उनके घर भाजपा की ईडी आई है और पिछले एक महीने में दूसरी बार, फिर भी कुछ नहीं मिला है इनको। मैं मोदी को बताना चाहता हूँ कि पंजाब गुरुओं की धरती है, औरंगजेब भी हमें नहीं झुका सका था। ये भगत सिंह की धरती है जो अंग्रेजों के सामने कभी नहीं झुके, तो मोदी के इन हथकंडों के सामने पंजाब कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन का अंत पंजाब से ही होगा। वहीं, आप सांसद संजय सिंह ने भी केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा का सुपारी किलर ईडी आज फिर पंजाब पहुंच गया है। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर छापेमारी शुरू हो गई है। दो-तीन दिन तमाशा चलेगा, फर्जी खबरे चलेंगी, सुपारी किलर वापस चले जायेंगे। फिर मालिक के द्वारा उनको नया टास्क दिया जायेगा। पंजाब की भगवंत मान सरकार को बदनाम करने के लिए, पंजाब की जनता का काम रोकने के लिए और कितने हथकंडे अपनाओगे, मोदी जी?पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि भाजपा के लोगों ने एक बार फिर से पंजाब में ईडी को भेजा है, इसमें कोई नई बात नहीं है, जहां भी चुनाव होता है, वहां भाजपा के लोग 6-7 महीने पहले से ही इस तरह का काम करने लगते हैं, जिससे वो लोगों को परेशान कर सकें। हमारे नेताओं को धमकाया जा रहा है, लेकिन इससे कुछ होने वाला नहीं है। हम लोग संविधान में विश्वास रहते है, ये लोग एसआईआर के जरिए भी लोगों का नाम काटकर वोट लूटने की कोशिश कर रहे हैं।

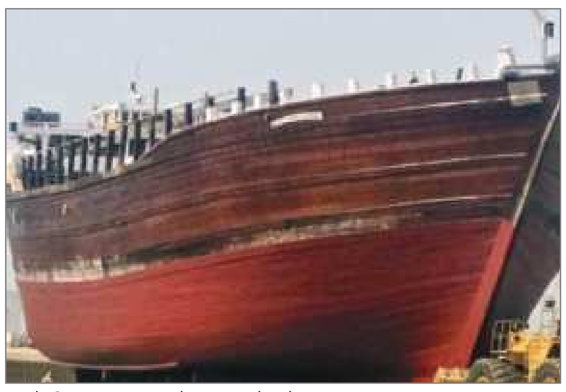

अमेरिका-ईरान के हमले में गुजरात का जहाज डूबा एक भारतीय की मौत, दुबई से यमन जा रहा था

दुबई: ईरान और अमेरिका की नेवी के बीच होर्मुज स्ट्रेट में हुई फायरिंग की चपेट में गुजरात का एक मालवाहक जहाज डूब गया। यह जहाज गुजरात के द्वारका जिले के सलाया का था।

हादसे में जहाज के इंजन रूम में काम कर रहे अल्ताफ तालब केर नाम के भारतीय क्रू की मौत हो गई, जबकि बाकी 17 क्रू को बचा लिया गया। इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी आदम भाई ने दुबई स्थित भारतीय दूतावास को ईमेल भेजकर यह जानकारी देकर मदद मांगी है।

सीमापार आने-जाने का मतलब आतंक नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिक को दी जमानत

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को भारत में प्रवेश दिलाने के आरोप में शामिल एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। जस्टिस बागची ने कहा कि किसी मामले में यह संकेत मिल सकता है कि सीमा पार आवाजाही अवैध गतिविधियों के लिए है, लेकिन केवल सीमा पार आवाजाही होने से यह दावा नहीं किया जा सकता कि यह किसी आतंकी समूह से जुड़ी है।

उन्होंने कहा कि आरोपी 10 साल से अधिक समय से बंगलुरु में रह रहा है। जांच में किसी आतंकवादी समूह से संबंध होने का कोई संकेत नहीं मिला है। बता दें कि याचिकाकर्ता पर आरोप है कि वह एक बांग्लादेशी नागरिक है, जो बांग्लादेश और म्यांमार से भारत में मानव तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा है। उसे सात नवंबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम आरोपी की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाएंगे, लेकिन जमानत देंगे। आरोपी के सह-आरोपी ने भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और उसे मई 2025 में जमानत मिल गई थी, लेकिन दोनों मामले अलग बताए जा रहे हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता का भारत में स्थायी निवास नहीं है, इसलिए उसे कड़ी शर्तों के साथ जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

ब्रिटानिया बढ़ा रहा है दाम और घटा रहा पैकेट का वजन

नई दिल्ली : अगर आपकी सुबह की चाय का स्वाद बिना बिस्कुट के अधूरा रहता है, तो अब अपनी जेब थोड़ी और ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में बढ़ते तनाव और युद्ध की आहट का असर अब सीधे आपकी रसोई तक पहुंच गया है। देश की दिग्गज बिस्कुट कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के चलते अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने और पैकेट का वजन कम करने का बड़ा फैसला लिया है। 10 रुपये से ऊपर वाले बिस्कुट के लिए देने होंगे ज्यादा दामः ब्रिटानिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने निवेशकों को जानकारी दी है कि कंपनी इस तिमाही से कीमतों में धीरे-धीरे इजाफा करने जा रही है। कंपनी की रणनीति के मुताबिक, 10 रुपये से ज्यादा कीमत वाले बिस्कुट के पैकेट अब महंगे हो जाएंगे। वहीं, आम आदमी के बजट वाले 5 और 10 रुपये के पैकेट्स की कीमतों में बदलाव नहीं होगा, लेकिन उनके अंदर मिलने वाले बिस्कुट की मात्रा (ग्रामेज) कम कर दी जाएगी। दरअसल, कंपनी का मुनाफा तो बढ़ा है, लेकिन राजस्व उम्मीद के मुताबिक न रहने से शेयर बाजार में भी कंपनी के शेयरों में 4 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

जंग से बिस्कुट का क्या है कनेक्शन? : दुनिया के दूसरे कोने में चल रहे युद्ध ने बिस्कुट बनाने की लागत बढ़ा दी है। बिस्कुट बनाने में इस्तेमाल होने वाला पाम ऑयल (ताड़ का तेल), पैकेजिंग मटीरियल, ईंधन और मालभाड़ा (फ्रेड) अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण महंगे हो गए हैं। सप्लाई चेन बाधित होने से ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बढ़ गया है। हालांकि, गेहूं की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन पाम ऑयल और पैकेजिंग के बढ़ते दाम कंपनी के मुनाफे पर दबाव डाल रहे हैं। कंपनी ने अगले पांच महीनों के लिए पाम ऑयल के सौदे पहले ही कर लिए हैं ताकि अचानक आने वाले झटकों से बचा जा सके, लेकिन लंबे समय के लिए कीमतें बढ़ाना कंपनी की मजबूरी बन गया है।

विदेशी बाजारों में भी बढ़ेगी महंगाई : पश्चिम एशिया के हालातों का असर ब्रिटानिया के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर भी पड़ा है। मार्च के महीने में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कंपनी समय पर माल विदेशों में नहीं भेज पाई। इस नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमतें बढ़ाएगी। इसके अलावा, सप्लाई चेन को बेहतर बनाने के लिए कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को वापस भारत के मुंद्रा पोर्ट (गुजरात) शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

ग्रामीण बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धाः ब्रिटानिया की कुल बिक्री का करीब 60-65 प्रतिशत हिस्सा 5 और 10 रुपये वाले किफायती पैकेट्स से आता है। हाल के दिनों में ग्रामीण बाजारों में कंपनी को कड़ी टक्कर मिली है। कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियों ने अपने बिस्कुट 4.50 रुपये और 9 रुपये जैसी कीमतों पर बेचना शुरू कर दिया, जिससे थोक व्यापारियों ने ज्यादा मार्जिन के चक्कर में उन ब्रांड्स को प्राथमिकता दी। इसका असर ब्रिटानिया की ग्रामीण बिक्री पर पड़ा। हालांकि, कंपनी प्रबंधन को भरोसा है कि शहरी और ई-कॉमर्स क्षेत्र में उनकी पकड़ अभी भी मजबूत है और जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिक्री फिर से रफ्तार पकड़ेगी।

देश को मिले नए सीडीएस, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के हाथ में होगा तीनों सेनाओं का कंट्रोल

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है। वे जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त होने वाला है। देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के साथ-साथ, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे।

इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्रालय ने लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सैन्य सेवा वाले एक उच्च सम्मानित अधिकारी के रूप में वर्णित किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया, चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ एक उच्च सम्मानित अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल राजा

सुब्रमणि वर्तमान में सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्होंने सेना के उप प्रमुख और केंद्रीय कमान के जीओसी-इन-सी के रूप में कार्य किया है, इसके साथ ही पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर प्रमुख परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है।

लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में अपने सैन्य सफर की शुरूआत की और दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स में कमीशन प्राप्त किया। उन्होंने सेना और रक्षा प्रतिष्ठान के भीतर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों के माध्यम से एक व्यापक परिचालन और रणनीतिक प्रोफाइल का निर्माण किया।

यूनाइटेड किंगडम के ब्रैक्नेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, वे भारत लौट आए और एक पर्वतीय ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर के रूप में कार्यभार संभाला। इसके बाद में उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में अध्ययन किया।

इस अधिकारी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी प्रभावशाली है। उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एम.फिल की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने अपने 35 वर्षों से अधिक के लंबे सैन्य करियर के दौरान विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों और संघर्ष क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने कजाकिस्तान के अस्ताना स्थित भारतीय दूतावास में रक्षा अटैची के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया।

कर्नल के पद पर रहते हुए उन्होंने सेना मुख्यालय में सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव के रूप में और बाद में पूर्वी कमान मुख्यालय में कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशन) के रूप में कार्य किया। जम्मू- कश्मीर में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर के उप कमांडर के रूप में तैनात किया गया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य सेवा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), सेना पदक (एसएम) और विशिष्ट सेवा पदक (वीएसएम) से सम्मानित किया गया है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के चलते शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशकों के डूबे 2 लाख करोड़

मुंबईः अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के कारण नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स में गिरावट देखी गई।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,328.19 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) गिरकर 24,176.15 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स 77,631.94 पर खुलकर एक समय 77,146.43 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 24,233.65 पर खुलकर 24,126.65 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.15 प्रतिशत की गिरावट आई तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

विभिन्न सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 0.87 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.29 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में करीब 4.8 प्रतिशत से 1.3 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में 6.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरावट के साथ ट्रेड करते नजर आए।

शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से घटकर 473 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी एक दिन में निवेशकों के करीब 2 लाख करोड़ रुपए डूब गए।

सारण में देवरानी-जेठानी की गला दबाकर हत्या, इलाके में फैली सनसनी

सारणः बिहार में सारण जिले के खैरा थाना क्षेत्र में एक महिला और उसकी देवरानी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्यकांड के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि खोदाईबाग गांव निवासी मोहन सिंह की पत्नी ज्योति कुमारी (27) तथा नागा सिंह की पत्नी प्रीति कुमारी (22) की हत्या उसके ससुराल वालों ने गला दबाकर कर दी है। इसके बाद ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ससुराल पक्ष के लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

रेलिंग तोड़ते हुए नहर में गिरी दूल्हे की कार, मची चीख-पुकार

पूर्वी चंपारणः जिला के भेलाही थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम पुलिस की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया, जब त्रिवेणी नहर कैनाल में गिर गई दूल्हे की कार से सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरकटियागंज से आनंदीगंज जा रही तेज रफ्तार कार पुराने सशस्त्र सीमा बल कैंप के समीप अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग तोड़ते हुए नहर में गिर गई। इस घटना की सूचना मिलते ही गौरव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने नदी में गिरी कार के अंदर फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घायलों को इलाज के लिए रक्सौल स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया गया। इलाज के बाद दूल्हा समेत अन्य लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए आनंदीगंज रवाना हो गए। स्थानीय लोगों ने समय पर राहत कार्य के लिए भेलाही पुलिस की सराहना की है।

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच तीन दिवसीय युद्धविराम का किया ऐलान

1,000 कैदियों की होगी अदला-बदली

वॉशिंगटन/एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों दौरान रूस और यूक्रेन के बीच तीन दिन के युद्धविराम और 1,000 कैदियों की अदला-बदली की घोषणा की है। यह समारोह द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से न केवल सैन्य अभियान रुकेंगे बल्कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली भी होगी। रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के साथ नौ से 11 मई तक युद्धविराम करने और इस अवधि के दौरान यूक्रेन के साथ हजार के बदले हजार कैदियों की अदला-बदली करने की श्री ट्रंप की पहल पर सहमति व्यक्त की है।

यह अस्थाई युद्धविराम नौ मई से 11 मई तक रहेगा और यह चार साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में जारी राजनयिक प्रयासों के बीच हुआ है। ट्रंप की घोषणा के कुछ ही समय बाद, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि किया कि यूक्रेन युद्धविराम में शामिल होगा। रूसी सरकारी मीडिया ने भी कहा कि रूस ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। जेलेंस्की ने एक्स पर पुष्टि किया कि युद्धविराम की व्यवस्था अमरीका के नेतृत्व में युद्ध को समाप्त करने के लिए किए जा रहे वार्ता प्रयासों के अंतर्गत की गई है जो अब चार साल से अधिक समय से चल रहा है।

उशाकोव ने बाद में कहा कि अमेरिकी प्रशासन के साथ हमारी टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान इस मामले पर एक समझौता हुआ। अमेरिकी प्रतिनिधि यूक्रेन के संपर्क में भी थे। उशाकोव के अनुसार, यह समझौता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और श्री ट्रम्प के बीच हाल ही में हुई फोन कॉल के बाद हुआ, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर बल दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हमारे देश सहयोगी थे और विजय दिवस समारोह के दौरान युद्धविराम की संभावना पर भी चर्चा की।

यह घोषणा कई दिनों से बढ़ते तनाव के बाद हुई है, जिसमें रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे पर रूस के विजय दिवस समारोह से जुड़े अलग-अलग युद्धविरामों के बावजूद हमले जारी रखने का आरोप लगा रहे हैं। रूस ने इससे पहले नौ मई के विजय दिवस समारोह से जुड़ा एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी जबकि यूक्रेन ने कहा कि उसने पहले ही छह मई से व्यापक युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दावा किया कि रूस ने इस प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया।लगभग दो दशकों में पहली बार, रूस में विजय दिवस परेड में सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा क्योंकि यूक्रेन द्वारा समारोहों को बाधित करने के प्रयास की आशंकाओं के कारण अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं।

अधिकारियों ने मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग दोनों शहरों के निवासियों को चेतावनी दी है कि सुरक्षा कारणों से आयोजनों के दौरान मोबाइल इंटरनेट की सुविधा प्रतिबंधित हो सकती है। उल्लेखनीय है कि रूस का वार्षिक रेड स्क्वायर सैन्य परेड, जो वैश्विक नेताओं और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को आकर्षित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय जमावड़े के रूप में जाना जाता है, इस वर्ष बहुत छोटे पैमाने पर आयोजित होने की उम्मीद है। केवल बेलारूस, मलेशिया और लाओस के नेताओं के साथ-साथ कुछ अन्य गणमान्य व्यक्तियों के ही शामिल होने की उम्मीद है। सी बीच, ट्रंप ने यूक्रेन संघर्ष के समाधान में सहायता के लिए रूस में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भेजने की इच्छा व्यक्त की है। यूक्रेन पर बातचीत के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को रूस भेजने की तत्परता के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रपति ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा, अगर मुझे लगता है कि इससे मदद मिलेगी तो मैं ऐसा जरूर करूंगा।

न्यूज IN ब्रीफ

डीएलएसए चाईबासा ने चलाया पेय जल प्याऊ स्थापना अभियान

ज्योति पाठक/ चाईबासा : राष्ट्रीय एवम झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डी एल एस ए पश्चिमी सिंहभूम मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के तत्वावधान में चाईबासा सदर प्रखंड में बढ़ती गर्मी को देखते हुए जगह जगह पर पेय जल प्याऊ स्थापन का आयोजन किया गया, जिससे राहगीरों को पीने योग्य पानी सुलभ कर उनका सहयोग किया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमो में बड़ी संख्या में अधिकार मित्र भी शामिल थे।

हृदयानंद मिश्र समन्वय समिति के सदस्य मनोनीत

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं समाजसेवी हृदयानंद मिश्र को समन्वय समिति का सदस्य बनाए जाने पर कांग्रेसजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव लक्ष्मी नारायण तिवारी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मनोनयन कांग्रेस संगठन के प्रति उनके पांच दशक लंबे समर्पण, संघर्ष और निष्ठा का सम्मान है।

हृदयानंद मिश्र पूर्व में भी झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने अपना वकालत एवं नौकरी का जीवन छोड़कर स्वयं को पूरी तरह कांग्रेस की विचारधारा और संगठन के लिए समर्पित कर दिया। राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में उनकी सक्रिय भूमिका हमेशा संगठन को मजबूत करने वाली रही है। वर्तमान में वे हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड सरकार के सदस्य के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, संगठन क्षमता एवं समर्पण का लाभ प्रदेश कांग्रेस को निश्चित रूप से मिलेगा। इस अवसर पर अनेक कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने की उम्मीद जताई।

11 हजार हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से 4 बाराती झुलसे

मेदिनीनगर : पांकी थाना क्षेत्र के गढ़गांव पुलिया के समीप शुक्रवार रात को एक बड़ा हादसा हो गया। बारात लेकर जा रही बस के ऊपर बैठे चार लोग 11 हजार हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आ गए, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। जानकारी के अनुसार, पाटन थाना क्षेत्र के मालगाड़ा से बारात रिमी रामपुर (लावालौंग) जा रही थी। इसी दौरान गढ़गांव पुलिया के पास यह हादसा हुआ। सभी घायल बस की छत पर बैठे हुए थे। घायलों की पहचान प्रमोद कुमार यादव, राजेश कुमार, रंजन कुमार यादव और बिनोद कुमार यादव के रूप में हुई है। सभी को इलाज के लिए पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए टटउल मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया।

चक्रधरपुर वार्ड संख्या 7 के विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे नगर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर शहर के सर्वांगीण विकास और जन समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु चक्रधरपुर नगर परिषद् के अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने वार्ड संख्या 7 का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ नगर परिषद् के सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता भी मौजूद रहे। निरीक्षण दल ने वार्ड के विभिन्न मोहल्लों में जाकर निमार्णाधीन सड़कों, जल निकासी प्रणाली (नालियों) और स्वच्छता व्यवस्था की वस्तुस्थिति देखी।मौके पर नगर परिषद् अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा

हमारा लक्ष्य चक्रधरपुर के हर वार्ड को आदर्श वार्ड बनाना है। वार्ड संख्या 7 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण इसलिए किया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सरकारी राशि का सही उपयोग हो रहा है। मैंने अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिया है कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। यदि किसी भी कार्य में कोताही पाई गई, तो संबंधित संवेदक और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा स्थानीय निवासियों की बुनियादी सुविधाएं जैसे साफ-सफाई और दुरुस्त सड़कें हमारी प्राथमिकता हैं। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर जलजमाव और कचरे की समस्या देखी गई है, जिसे दूर करने के लिए विभागीय टीम को सक्रिय कर दिया गया है। जनता का पैसा जनता की सुविधा के लिए है, और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि विकास कार्य समय सीमा के भीतर पूरे हों। निरीक्षण के अंत में अध्यक्ष महोदय ने अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से कार्यस्थल पर जाकर तकनीकी जांच करें और प्रगति रिपोर्ट कार्यालय को सौंपें। इस मौके पर वार्ड के कई स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपनी समस्याओं से अध्यक्ष जी को अवगत कराया।

उपायुक्त ने अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय से किया शुभारंभ, कहा

बचपन से ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी

बिनय मिश्रा

लोहरदगा उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने आज शहरी क्षेत्र स्थित अनूसचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय लोहरदगा से प्रोजेक्ट पहल (प्रोटेक्शन,एजुकेशन एण्ड हेल्थ एक्शन फॉर लोहरदगा) की शुरूआत की ।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बचपन से ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के देखभाल की आवश्यकता है। अगर बचपन से ही इसका अनुश्रवण किया जाए तो व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। शारीरिक और भावनात्मक रूप से व्यक्ति का मजबूत होना जरूरी है। स्वास्थ्य व कल्याण विभाग का इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आज कल्याण विभाग के सभी 11 विद्यालयों में इस प्रोजेक्ट को प्रारंभ किया जा रहा है। इसके सफल रहने पर अन्य विद्यालयों में भी इसे लागू कराया जाएगा। अगर इस प्रोजेक्ट का सफल बनाने के लिए कुछ बदलाव की आवश्यकता होगी तो उसमें बदलाव किया जाएगा। यह देश के अन्य हिस्सों में अनुकरणीय साबित होगा। बच्चों के स्वास्थ्य की जांच के बाद उसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुधार के लिए बेहतर प्रयास करने में इसमें मदद मिलेगी।

कठिन परिस्थितियों से आने वाले बच्चों के लिए सुरक्षात्मक वातावरण प्रदान करने के लिए आवासीय विद्यालयों को सशक्त करने में पहल कार्यक्रम अहम भूमिका निभायेगा।

स्वास्थ्य पंजी किया लॉन्च

उपायुक्त द्वारा इस अवसर पर बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक स्वास्थ्य,सेल्फ रिपोर्ट, हेल्थ स्कोर कार्ड समेत अन्य बिंदुओं के अनुश्रवण के लिए निर्मित स्वास्थ्य पंजी लॉन्च किया गया।

उपायुक्त ने विद्यालय में आयोजित स्वास्थ्य जांच व भावनात्मक स्वास्थ्य जांच शिविर का भी निरीक्षण किया बच्चों की उंचाई, भाषा विकास, बुखार, डेंगू/ मलेरिया/ टाइफाइड, पेट दर्द, अपच, चर्म विकार, पेट में कृमि आदि की जांच, पढ़ाई में कठिनाई, भावनात्मक परेशानियों में अरूचि, उदासीनता, आक्रोश, आवेगता, चिडचिड़ापन आदि की जांच की गयी।

विद्यालय परिसर का किया निरीक्षण

उपायुक्त विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने पुराने आवासीय भवन को जर्जर घोषित कर विलोपित कराने, रसोई के निरीक्षण में आवश्यक साफ-सफाई कराने व मेनू के अनुसार छात्राओं को भोजन परोसे जाने का निर्देश प्राधानाध्यापिका को दिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यालय परिसर के छात्रावास का भी निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के लिए आवश्यक जरूरत की सामग्रियां भी उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया।

आज इस अवसर पर आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी सरस्वती कच्छप, जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, पीपीआईए फेलो, विद्यालय की प्राधानाध्यापिका प्रभावती देवी, वार्डन जिसवंती देवी, सदर अस्पताल व कल्याण अंतर्गत बसारडीह अस्पताल की स्वास्थ्य जांच टीम उपस्थित रही।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में आवाज-ए-अल्फाज ओपन माइक कार्यक्रम का सफल आयोजन

संवाददाता

मेदिनीनगर : 7 मई 2026 को राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय पलामू में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती के शुभ अवसर पर ह्लआवाज-ए-अल्फाजह्व नामक ओपन माइक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार सिंह एवं डॉ. मुरली मनोहर, प्रोफेसर-इन-चार्ज, लिटरेरी क्लब के मार्गदर्शन एवं निरीक्षण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर छिपी साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा साहित्य एवं संस्कृति के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रभावशाली शायरी, कविता पाठ एवं कहानी प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों की अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता ने कार्यक्रम को अत्यंत जीवंत और यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में डॉ. दीपेश कुमार, प्रो. भावेश कुमार, प्रो. अनामिका लकड़ा एवं प्रो. नितीश कुमार भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप फैज आलम को प्रथम पुरस्कार, आदित्य मिश्रा को द्वितीय पुरस्कार तथा रिम्मी कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मोहित तिवारी, सौरव कुमार, दिव्यम पटेल, उज्ज्वल कुमार, निर्माण, आलोक कुमार, प्रिंस कुमार, अभिषेक अग्रवाल, विमल कुमार, भास्कर कुमार, सुमित कुमार, सोनी कुमारी, कशक कुमारी एवं अन्य क्लब सदस्यों ने संयोजक एवं सह-संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्थापन में सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. मुरली मनोहर ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के साहित्यिक जीवन, विचारधारा एवं साहित्य की यात्रा पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि टैगोर भारतीय साहित्य के ऐसे महान रचनाकार थे जिन्होंने अपनी लेखनी से मानवता, प्रकृति, संस्कृति और संवेदनाओं को नई पहचान दी।

उन्होंने विशेष रूप से यह उल्लेख किया कि रवीन्द्रनाथ टैगोर महान मैथिली कवि विद्यापति की रचनाओं से अत्यधिक प्रेरित थे। विद्यापति की काव्य शैली, भक्ति भावना, प्रेम एवं लोक संस्कृति से जुड़ी अभिव्यक्तियों ने टैगोर की साहित्यिक सोच और काव्य अभिव्यक्ति को गहराई से प्रभावित किया। डॉ. मुरली मनोहर ने विद्यार्थियों को साहित्य को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों को समझने का सशक्त साधन बताया।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं आयोजकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। ह्लआवाज-ए-अल्फाजह्व कार्यक्रम विद्यार्थियों में साहित्यिक चेतना, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

ट्रैकर गार्ड लल्लू उरांव की करंट लगने से मौत

संवाददाता

लातेहार : झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व के गारू रेंज में तैनात ट्रैकर गार्ड लल्लू उरांव की करंट लगने से मौत हो गई। घटना बीती देर रात की बताई जा रही है। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड के कहने पर लल्लू उरांव को बिजली का काम करने के लिए पेड़ पर चढ़ाया गया था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का यह भी कहना है कि घटना के बाद विभागीय अधिकारियों ने उन्हें सूचना नहीं दी और बिना जानकारी दिए शव को सीधे लातेहार अस्पताल पहुंचा दिया गया।

भाई ने लगाया लापरवाही का आरोप : मृतक के भाई निलेम उरांव ने बताया कि रात में गारू स्थित वन विभाग कार्यालय के पास बिजली का तार गिरा हुआ था। आरोप है कि इसकी सूचना बिजली विभाग को देने के बजाय उनके भाई को ही तार ठीक करने के लिए भेज दिया गया, जिससे यह हादसा हुआ।परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद से संबंधित विभाग के अधिकारियों के मोबाइल बंद हैं और कोई भी अधिकारी संपर्क में नहीं आ रहा है। इससे लोगों में गुस्सा और आक्रोश बढ़ गया है। परिजनों ने मांग की है कि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए और 60 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाए। उनका कहना है कि लल्लू उरांव ही परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। वहीं वन विभाग के ट्रैकर गार्ड अजय कुमार ने बताया कि रात में बिजली का तार गिरने के बाद लल्लू उरांव को उसे ठीक करने के लिए पेड़ पर चढ़ाया गया था, जहां करंट लगने से उसकी मौत हो गई। इस मामले में थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिल चुकी है और मामले की जांच की जा रही है।

भाई ने लगाया लापरवाही का आरोप : मृतक के भाई निलेम उरांव ने बताया कि रात में गारू स्थित वन विभाग कार्यालय के पास बिजली का तार गिरा हुआ था। आरोप है कि इसकी सूचना बिजली विभाग को देने के बजाय उनके भाई को ही तार ठीक करने के लिए भेज दिया गया, जिससे यह हादसा हुआ।परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद से संबंधित विभाग के अधिकारियों के मोबाइल बंद हैं और कोई भी अधिकारी संपर्क में नहीं आ रहा है। इससे लोगों में गुस्सा और आक्रोश बढ़ गया है। परिजनों ने मांग की है कि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए और 60 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाए। उनका कहना है कि लल्लू उरांव ही परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था।

कुरुलिया गांव में 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन संपन्न

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर प्रखंड के अंतर्गत कुरुलिया गांव में आयोजित 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन में भक्ति और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा. कार्यक्रम के विशेष अवसर पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता अशोक षाड़ंगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने के बाद अशोक षाड़ंगी ने भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की. उन्होंने अखंड कीर्तन मंडप की परिक्रमा की और ईश्वर से क्षेत्र की सुख, शांति तथा समृद्धि हेतु प्रार्थना की. इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पाण्डेय तथा वार्ड पार्षद राजू प्रसाद कसेरा भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे.आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी गणमान्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया.परंपरा के अनुसार, अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पाण्डेय ने कहा हरिनाम संकीर्तन जैसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और प्रेम बढ़ता है. कलयुग में केवल प्रभु का नाम ही मनुष्य को शांति प्रदान कर सकता है. कुरुलिया के ग्रामीणों द्वारा किया गया यह आयोजन सराहनीय है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का काम कर रहा है।.24 प्रहर तक चलने वाले इस अखंड संकीर्तन में कुरुलिया के अलावा आसपास के दर्जनों गांवों से श्रद्धालु पहुँचे. कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों और 'हरे कृष्ण हरे राम' के महामंत्र से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया.श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी।

बालिका +2 विद्यालय चरपोखरी में चित्र सह पोस्टर कार्यशाला, लू से बचाव पर छात्राओं ने उकेरी जागरूकता

संवाददाता

चरपोखरी/भोजपुर: स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका +2 विद्यालय चरपोखरी, भोजपुर के कला प्रेक्षागृह में शनिवार को चित्र सह पोस्टर कार्यशाला एवं स्वरचना गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय ह्लू से बचावह्व रखा गया, जो सुरक्षित शनिवार गतिविधि के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यशाला में लगभग 30 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय राय ने कहा कि छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता से विद्यालय में सृजनात्मक माहौल बना दिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विचार, मनोभाव और सोच चित्रों में स्पष्ट रूप से झलकते हैं। उन्होंने सभी छात्राओं एवं विद्यालय परिवार को इस रचनात्मक आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार द्वारा छात्राओं से ह्लहम होंगे कामयाबह्व जैसे प्रेरणादायक समूह गीत प्रस्तुत करवाए गए, जिससे विद्यालय परिसर कुछ समय के लिए सांस्कृतिक वातावरण में रंग गया। चित्रों का अवलोकन करते हुए अजय राय, प्रमोद कुमार एवं रौशन राय ने कहा कि हर छात्रा में रचनात्मक क्षमता मौजूद होती है। समय-समय पर इस प्रकार की कलात्मक गतिविधियों के आयोजन से छात्राओं के अंदर छिपी प्रतिभाएं निखरकर सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में हमेशा रचनात्मक माहौल बना रहना चाहिए, क्योंकि कला गतिविधियां सोच और समझ को व्यापक बनाती हैं।

छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्रों में गांव-कस्बों की गलियां, कच्चे मकान, कुएं, पेड़-पौधे एवं ग्रामीण परिवेश की सुंदर झलक देखने को मिली, जिसने सभी को आकर्षित किया। पूरे आयोजन का संयोजन चित्रकार एवं कला शिक्षक रौशन राय ने किया। उन्होंने छात्राओं को कला की बारीकियों एवं रचनात्मकता पर सारगर्भित जानकारी भी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से छात्राएं सोनम कुमारी, किरण कुमारी, रौशनी कुमारी, अनुष्का कुमारी, काजल कुमारी, अंजुम आरा, रौशनी खातून, पायल कुमारी, प्रिया कुमारी, ज्योति कुमारी, अंजली कुमारी, गुड़िया कुमारी, रिया कुमारी, मुस्कान कुमारी, सुरूची कुमारी एवं सलोनी कुमारी सहित अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।